छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

www.cgfrontline.com

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351

डाक पंजीयन क्र. 046/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 06 अंक - 155 बैकुंठपुर, रविवार 22 मार्च 2026 पृष्ठ -8 मूल्य -1

सरगुजा ओलम्पिक 'खिलाड़ियों का महाकुंभ'-विष्णुदेव साय

पीजी कॉलेज मैदान में खेल प्रतिभाओं के सपनों को नई उड़ान देने प्रतियोगिता का शुभारंभ

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ में पहली बार आयोजित सरगुजा ओलंपिक 2026 का भव्य आगाज अंबिकापुर स्थित पीजी कॉलेज मैदान में हुआ। तीन दिवसीय इस संभाग स्तरीय खेल महोत्सव का शुभारंभ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया। उद्घाटन अवसर पर पूरे संभाग से आए खिलाड़ियों, जनप्रतिनिधियों और खेल प्रेमियों की बड़ी उपस्थिति ने आयोजन को उत्सव का रूप दे दिया।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह आयोजन केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि खिलाड़ियों के सपनों को नई उड़ान देने का मंच है। उन्होंने इसे 'खिलाड़ियों का महाकुंभ' बताते हुए कहा कि सरगुजा, जशपुर, बलरामपुर, कोरिया, सूरजपुर और मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले से आए 2 हजार 190 से अधिक खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। इनमें 1 हजार 44 महिला और 1 हजार 146 पुरुष खिलाड़ी शामिल हैं, जो 17 वर्ष से कम एवं 17 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि बस्तर ओलंपिक की सफलता के बाद सरगुजा में भी इस तरह के आयोजन की मांग उठी थी, जिसे सरकार ने प्राथमिकता दी। विकासखंड और जिला स्तर की प्रतियोगिताओं के बाद अब संभाग स्तर पर यह आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में राज्य में पारित विभिन्न महत्वपूर्ण विधेयकों की भी जानकारी दी,

स्वर्ण पदक विजेताओं को मिलेगा 3 करोड़

खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खेलों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। ओलंपिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को 21 लाख रुपये, स्वर्ण पदक विजेताओं को 3 करोड़, रजत पदक विजेताओं को 2 करोड़ और कांस्य पदक विजेताओं को 1 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। साथ ही 'खेलो इंडिया' के तहत स्टेडियम निर्माण और खेल अधोसंरचना को मजबूत किया जा रहा है। बस्तर और सरगुजा ओलंपिक के लिए 10 करोड़ रुपये का बजट भी निर्धारित किया गया है।

खिलाड़ियों के साथ-साथ सरकार: नेताम

केबिनेट मंत्री राम विचार नेताम ने खिलाड़ियों से कहा अपनी खेल कौशल से परिवार, समाज, प्रदेश व देश का नाम रोशन करें। मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा छत्तीसगढ़ सरकार बस्तर से लेकर सरगुजा तक खेल प्रतिभाओं को मंच देने का कार्य कर रही है।

आयोजन में 12 विधा पर दिखेगा हुनर

तीन दिवसीय खेल महोत्सव में कबड्डी, खो-खो, तीरंदाजी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, हॉकी, कुश्ती, दौड़, बैडमिंटन और रस्साकशी सहित 12 खेल विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। आयोजन के लिए शहर के विभिन्न खेल स्थलों पीजी कॉलेज ग्राउंड, हॉकी स्टेडियम, गांधी स्टेडियम और मल्टीपरपज हॉल में व्यापक तैयारियां की गई हैं। खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों के लिए आवास, भोजन तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं।

मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों को भेंट किया वॉलीबॉल

सरगुजा ओलंपिक के शुभारंभ अवसर पर विष्णु देव साय ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने खिलाड़ियों को वॉलीबॉल भेंट कर खेल भावना को प्रोत्साहित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि आज के दौर में खेल केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि एक सशक्त करियर विकल्प बन चुका है। छत्तीसगढ़ के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उसे पहचानने और निखारने की है, जिस दिशा में राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बस्तर और सरगुजा संभाग के खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि यहां के युवाओं में खेल के प्रति अद्भुत उत्साह और समर्पण देखने को मिलता है। उन्होंने खिलाड़ियों से अपील की, इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता को एक अवसर के रूप में लें और अपनी प्रतिभा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल में हार-जीत स्वाभाविक है, लेकिन हार से निराश होने के बजाय उससे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। जीत मिलने पर भी रुकना नहीं है, बल्कि अगले लक्ष्य के लिए और अधिक मेहनत करना है। खिलाड़ियों ने राज्य सरकार के इस प्रयास की सराहना की। इनका कहना था कि सरगुजा ओलंपिक के माध्यम से उन्हें न केवल अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिला है, बल्कि एक नई पहचान और भविष्य के लिए नई उम्मीद भी जगी है।

हार से न हों निराश, खुद पर रखें विश्वास: गीता फोगाट

शनिवार का दिन सरगुजा संभाग के हजारों खिलाड़ियों के लिए यादगार बन गया। सरगुजा ओलंपिक 2026 के शुभारंभ अवसर पर अंतरराष्ट्रीय कुश्ती खिलाड़ी एवं अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित गीता फोगाट से खिलाड़ियों को रूबरू मिलने का अवसर मिला। अंबिकापुर प्रवास के दौरान 2 हजार से अधिक खिलाड़ियों ने उनसे मुलाकात कर प्रेरणा ली। जैसे ही खिलाड़ी गीता फोगाट से मिले, पूरे मैदान में उत्साह का माहौल बन गया। खिलाड़ियों के चेहरों पर खुशी झलकने लगी और 'गीता दीदी जिंदाबाद' के नारों से वातावरण गूंज उठा। यह पल खिलाड़ियों के लिए बेहद प्रेरणादायक और यादगार बन गया। खिलाड़ियों से गीता फोगाट ने कहा कि सरगुजा की धरती खेल प्रतिभाओं के लिए अत्यंत अनुकूल है। उन्होंने खिलाड़ियों को सफलता का मूल मंत्र देते हुए कहा 'हार से बिल्कुल निराश न हों, खुद पर विश्वास रखें और अंतिम क्षण तक अपने लक्ष्य के लिए जुटे रहें, सफलता अवश्य मिलेगी।'

भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ की घोषणा, संगठन को मिलेगी मजबूती

मनोज गुप्ता प्रदेश कार्य समिति सदस्य व महेंद्र बेद जिला संयोजक बने

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। भारतीय जनता पार्टी, कोरिया में संगठन विस्तार के तहत भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी घोषित कर दी गई है। पार्टी नेतृत्व द्वारा जारी सूची में विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव की सहमति से व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक-सह संयोजक व प्रदेश कार्यसमिति सदस्यों की घोषणा की गई है। जिसमें कोरिया जिले से प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मनोज गुप्ता एवं जिला संयोजक महेन्द्र वैद्य, जिला सह संयोजक सुमनकांत तिवारी को बनाया गया है। भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के नवनियुक्त पदाधिकारी व्यापार वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य करेगी। भाजपा कार्यकर्ताओं एवं व्यापार प्रकोष्ठ से जुड़े लोगों ने इस घोषणा का स्वागत करते हुए नव-नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री ने दो दिवसीय राज्य स्तरीय तिलहन किसान मेले का किया शुभारंभ

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को अंबिकापुर स्थित राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र में दो दिवसीय राज्य स्तरीय तिलहन किसान मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर किसानों को दी जा रही आधुनिक कृषि तकनीकों और तिलहन उत्पादन बढ़ाने के उपायों की सराहना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है, इसे छत्तीसगढ़ का धान का कटोरा कहा जाता है, यहां लगभग 80 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार किसानों से धान की खरीदी 21 क्विंटल प्रति एकड़ की दर से 3100 रुपये में कर रही है और अंतर की राशि का भुगतान भी एकमुश्त किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 2 वर्षों से हमारी सरकार किसानों से किया हर एक वादा पूरा कर रही है। उन्होंने किसानों से संवाद कर होली के पूर्व धान के अंतर की राशि का भुगतान तथा योजनाओं का लाभ मिलने की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर हो चुका है, लेकिन तिलहन उत्पादन में अभी भी कमी है। वर्तमान में देश अपनी आवश्यकता का लगभग 57 प्रतिशत ही तिलहन उत्पादन कर पा रहा है, शेष 43 प्रतिशत आयात करना पड़ता है। इसे दूर करने के लिए तिलहन विकास परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने किसानों से अपील की, वे वैज्ञानिकों के सुझावों को अपनाकर तिलहन उत्पादन बढ़ाएं। उन्होंने जानकारी दी कि कृषक उन्नति योजना की तर्ज पर तिलहन फसलों के लिए प्रति एकड़ 11 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि देने की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और मत्स्य पालन जैसे सहायक व्यवसायों को अपनाकर आय बढ़ाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा जीएसटी में सुधार के बाद कृषि यंत्रों की कीमतों में कमी आई है, जिससे किसानों को लाभ मिल रहा है।

चोरी की 06 दोपहिया वाहन के साथ 02 गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। दुपहिया वाहन चोरी के मामलों में कोतवाली थाना पुलिस ने 02 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार करके 06 दोपहिया वाहन जप्त किया है। जब्त किए गए वाहनों की कीमत लगभग 03 लाख रुपये बताई जा रही है। गिरफ्त में आए एक आरोपी चन्दन गुप्ता पूर्व में भी आपराधिक प्रकरण में शामिल रहा है।

जानकारी के मुताबिक राधा देवी निवासी मायापुर ने 19 मार्च को थाना कोतवाली में रिपोर्ट कराया था कि 16 मार्च को वह अपनी स्कूटी एक्टिवा क्रमांक सीजी 15 डीएक्स 7675 से घर के पास काम से गई थी। स्कूटी को खड़ा करके काम का बातचीत करने गई, वापस आई तो स्कूटी नहीं था। मामले में पुलिस ने धारा 305(बी) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया था। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल ने पुलिस टीम को दोपहिया वाहन चोरी की आए दिन हो रही घटनाओं को लेकर अभियान चलाकर कार्रवाई करने एवं प्रकरण के आरोपियों को गिरफ्तार करने एवं चोरी गयी दोपहिया वाहन को बरामद करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में थाना कोतवाली पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण करके आसपास के भवनों में लगे सीसीटीव्ही फुटेज के अवलोकन किया और अज्ञात आरोपी के तलाश में लगी थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि चंदन गुप्ता अपने साथी जीवन कैलाश के साथ समलाया मंदिर के पास मोटरसायकल चोरी करने के फिराक में लगा है। सूचना पर पुलिस टीम ने चंदन गुप्ता पिता कन्हैया गुप्ता 22 साल, निवासी घुटरापारा, सनराइज स्कुल के बगल की गली व जीवन कैलाश उर्फ बुट पिता बंशु ऑमो 27 साल निवासी ग्राम धंधापुर महुआपारा, थाना राजपुर को कब्जे में लिया। पूछताछ में ये गोल-मोल जबाब दे रहे थे। आरोपियों से सख्ती से पूछताछ करने पर इन्होंने शहर एवं आसपास से मोटरसायकल व स्कूटी चोरी करना स्वीकार किया। आरोपियों ने रिपोर्टकर्ता महिला का स्कूटी, होण्डा ड्रीम मोटरसायकल दर्रीपारा तालाब के पास से, टीव्हीएस स्पोर्ट मोटरसायकल मंडी रोड सूरजपुर से, स्पलेन्डर प्लस मोटरसायकल जिला चिकित्सालय अंबिकापुर से, एक स्पेलेन्डर प्लस मोटरसायकल बिलासपुर चौक अंबिकापुर से, सफेद रंग का स्कूटी महामाया मंदिर तालाब के पास से चोरी करना स्वीकार किया। आरोपियों के निशानदेही पर घुटरापारा नहर रोड नर्सरी के पास से 02 स्कूटी व 04 मोटरसायकल पुलिस ने बरामद कर लिया है।

तकनीकी शिक्षा से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम नवगुरुकुल जशपुर युवाओं के सपनों को दे रहा नई दिशा

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। जिला मुख्यालय में 15 अप्रैल 2023 को प्रारंभ हुआ नवगुरुकुल संस्थान आज युवाओं, विशेषकर ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए आशा और अवसर का केंद्र बनकर उभर रहा है। संस्थान का मुख्य उद्देश्य स्थानीय युवाओं को बिना किसी आर्थिक बोझ के आधुनिक तकनीकी शिक्षा प्रदान कर उन्हें रोजगारोन्मुख बनाना है। जशपुर जैसे अंचल में लंबे समय से गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा और संसाधनों की कमी रही है, जिसके कारण प्रतिभाशाली युवा उचित मार्गदर्शन के अभाव में पीछे रह जाते थे। नवगुरुकुल इस कमी को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहा है। जशपुर स्थित नवगुरुकुल कैंपस विशेष रूप से बालिकाओं के लिए संचालित है, जहां उन्हें सुरक्षित वातावरण में समान अवसरों के साथ सीखने की सुविधा प्रदान की जाती है। संस्थान का उद्देश्य केवल शिक्षा देना नहीं, बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें समाज में सकारात्मक परिवर्तन का भागीदार बनाना भी है। वर्तमान में यहां दो प्रमुख पाठ्यक्रम संचालित हैंकृ स्कूल ऑफ प्रोग्रामिंग और स्कूल ऑफ बिजनेस। स्कूल ऑफ प्रोग्रामिंग की अवधि लगभग दो वर्ष है, जिसमें विद्यार्थियों को प्रोग्रामिंग, वेब डेवलपमेंट सहित विभिन्न तकनीकी कौशलों का प्रशिक्षण दिया जाता है। वहीं, स्कूल ऑफ बिजनेस एक वर्षीय पाठ्यक्रम है, जिसमें संचार, टीमवर्क और व्यवसायिक दक्षताओं का विकास कराया जाता है।

नवगुरुकुल में शिक्षा का स्वरूप व्यावहारिक और नवाचार आधारित है। यहां करके सीखना पद्धति को अपनाया गया है, जिसके अंतर्गत विद्यार्थी वास्तविक परियोजनाओं पर कार्य करते हुए अनुभव प्राप्त करते हैं। सहपाठी शिक्षण, समूह आधारित समस्या समाधान और परियोजना आधारित अध्ययन को विशेष महत्व दिया जाता है, जिससे विद्यार्थियों में तकनीकी दक्षता के साथ-साथ नेतृत्व, सहयोग और संवाद कौशल का भी विकास होता है। संस्थान में एटीक्रेसी प्रणाली लागू है, जिसके तहत छात्र स्वयं विभिन्न जिम्मेदारियां निभाते हैं, जैसे अकादमिक और अनुशासन समन्वयक, जिससे उनमें नेतृत्व क्षमता और उत्तरदायित्व की भावना विकसित होती है। कैंपस में छात्रों के लिए लैपटॉप, हॉस्टल, निःशुल्क वाई-फाई तथा अनुकूल शिक्षण वातावरण जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। नवगुरुकुल का पारिवारिक वातावरण विद्यार्थियों को आपसी सहयोग और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। उल्लेखनीय है कि नवगुरुकुल जशपुर से अब तक 90 से अधिक छात्रों का विभिन्न शहरों और कंपनियों में प्लेसमेंट हो चुका है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि संस्थान न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है, बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

होली केवल रंगों का पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता का संदेश देने वाला उत्सव: सतेंद्र राजवाड़े

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर (कोरिया)। गत दिवस राजधानी रायपुर के शहनाई गार्डन में भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष राहुल टिकरिहा के नेतृत्व मे आयोजित 'होली मिलन समारोह' केवल एक पारंपरिक उत्सव नहीं, बल्कि संगठनात्मक मजबूती, राजनीतिक समन्वय और युवा ऊर्जा का भव्य प्रदर्शन बनकर सामने आया। कार्यक्रम में उमड़े जनसैलाब और वरिष्ठ नेतृत्व की उपस्थिति ने इसे प्रदेश के सबसे चर्चित आयोजनों में शामिल कर दिया। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि होली भारतीय संस्कृति का ऐसा पर्व है जो समाज को जोड़ता है और दिलों में प्रेम व सौहार्द स्थापित है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे राष्ट्र निर्माण में अपनी

भूमिका को और अधिक सशक्त बनाएं। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने की। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन कार्यकर्ताओं के बीच संवाद, समन्वय और ऊर्जा का संचार करते हैं। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपमुख्यमंत्री अरुण साव की उपस्थिति ने आयोजन को और गरिमामय बनाया। इस भव्य आयोजन में कोरिया जिला की भागीदारी भी उल्लेखनीय रही। भाजयुमो जिलाध्यक्ष सतेंद्र राजवाड़े, जिला उपाध्यक्ष रमेश तिवारी एवं युवा नेता अभिजीत दुबे सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। विशिष्ट अतिथियों में केबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, लक्ष्मी राजवाड़े, टंक राम वर्मा, गजेंद्र यादव एवं गुरु खुशवंत साहेब सहित कई वरिष्ठ नेताओं की गरिमामय उपस्थिति रही। इसके साथ ही पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, पत्रकार और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की मौजूदगी ने आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सतेंद्र राजवाड़े ने कहा कि होली केवल रंगों का पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश देने वाला उत्सव है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ता समाजहित में सदैव अग्रणी रहते हैं और ऐसे आयोजन संगठन को और अधिक सशक्त बनाते हैं। कार्यक्रम के दौरान गुलाल, रंग और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने माहौल को पूरी तरह उत्सवमय बना दिया। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और पूरे परिसर में उल्लास, ऊर्जा और एकता का अद्भुत दृश्य देखने को मिला।

जशपुर के 118 सेक्टर आंगनबाड़ी केंद्रों में बाल मैत्री कार्यक्रम आयोजित

खेल गतिविधियों के माध्यम से बच्चों का किया गया बौद्धिक विकास

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। महिला बाल विकास विभाग द्वारा विगत दिवस जिला कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशानुसार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक कुमार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग अजय शर्मा के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में जशपुर के अंतर्गत सभी 17 परियोजनाओं के 118 सेक्टर के आंगनबाड़ी केन्द्रों में बाल मैत्री कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिसमें आंगनबाड़ी केन्द्रों के 4 से 6 वर्ष के बच्चों को केन्द्र के निकटतम प्राथमिक शालाओं का एक दिवसीय भ्रमण करवाया गया। आंगनबाड़ी केंद्रों मे बच्चों को सहज एवं अनौपचारिक वातावरण में खेल आधारित गतिविधियों के माध्यम से शाला पूर्व शिक्षा प्राप्त होती है। आंगनबाड़ी से शाला में ट्रांजिशन में प्रथम वर्ष में बच्चों को विद्यालय आने नियम समझाने तथा भाषा के प्रयोग में कठिनाई होने शालेय शिक्षा के प्रति अरुचि होने आदि संभावना को देखते हुए उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आंगनबाड़ी केन्द्रों से प्राथमिक शाला में बच्चों के सुगम ट्रांजिशन हेतु ठनककल ठनककल (बाल मैत्री) कार्यक्रम का संचालन महिला एवं बाल विकास विभाग एवं शिक्षा विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। ठनककल ठनककल (बाल मैत्री) कार्यक्रम आंगनबाड़ी प्राथमिक विद्यालय आधारित पहल है जिसका मूल उद्देश्य आंगनबाड़ी केन्द्रों के छोटे बच्चो को विद्यालय के वातावरण हेतु सहज बनाना बच्चों में मित्रता सहयोग और आपसी समझ विकसित करना है।

मनमानी खुदाई से सड़कों का भविष्य संकट में, बिना प्लानिंग बिछ रहीं केबल

छ.ग. फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 किनारे तथा ग्रामीण सड़कों के आसपास इन दिनों मनमाने ढंग से खुदाई कर पाइपलाइन और केबल बिछाने का कार्य जारी है। बिना समुचित योजना और संबंधित विभागों की अनुमति के हो रहे इन कार्यों ने न केवल वर्तमान में आवागमन को प्रभावित किया है, बल्कि भविष्य में सड़कों के विस्तार और चौड़ीकरण को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार विभिन्न टेलीकॉम कंपनियां, गैस पाइपलाइन एजेंसियां तथा जल जीवन मिशन के तहत कार्यरत ठेकेदार अपने-अपने स्तर पर सड़क किनारे गड्ढे खोदकर पाइपलाइन और केबल बिछा रहे हैं। कई स्थानों पर तो बिना किसी पूर्व सूचना या सुरक्षा इंतजाम के सड़क के किनारे लंबी-लंबी खुदाई कर दी जा रही है, जिससे दुर्घटना की आशंका भी बढ़ गई है। इसके

अलावा विद्युत विस्तार के नाम पर बिजली के खंभे भी बिना दीर्घकालिक योजना के खड़े कर दिए जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि इन कार्यों में न तो विभागीय समन्वय नजर आता है और न ही भविष्य की जरूरतों का ध्यान रखा जा रहा है। परिणाम स्वरूप जहां एक ओर सड़कों की संरचना कमजोर हो रही है, वहीं दूसरी ओर आने वाले समय में सड़क चौड़ीकरण या पुल-पुलियों के निर्माण के दौरान बड़ी बाधाएं उत्पन्न होंगी। ज्ञात हो कि जब भी सड़क चौड़ीकरण या उन्नयन का कार्य शुरू होता है, तब पहले से बिना योजना के डाली गई पाइपलाइन, केबल और खंभों का सर्वे कराया जाता है। इसके बाद इन्हें शिफ्ट करने के लिए सड़क परिवहन मंत्रालय या लोक निर्माण विभाग को संबंधित विभागों को भारी-भरकम राशि का भुगतान करना पड़ता है। यानी एक ही कार्य पर दोबारा खर्च कर शासकीय धन का अनावश्यक उपयोग किया जाता है। एनएच 43 पर ऐसे कई उदाहरण सामने आ चुके हैं, जहां सड़क किनारे की गई अव्यवस्थित खुदाई ने निर्माण कार्यों में देरी और लागत बढ़ाने का कारण बनी है। बावजूद इसके संबंधित एजेंसियां बिना किसी ठोस मास्टर प्लान के कार्यों को अंजाम दे रही हैं।जनप्रतिनिधियों और नागरिकों का मानना है कि यदि विद्युत विभाग, जल जीवन मिशन, टेलीकॉम कंपनियां और अन्य संबंधित एजेंसियां आपसी समन्वय और दीर्घकालिक योजना बनाकर कार्य करें, तो इस समस्या से काफी हद तक बचा जा सकता है। एकीकृत योजना के तहत कार्य होने से न केवल शासकीय धन की बचत होगी, बल्कि सड़कों का निर्माण भी व्यवस्थित, सुरक्षित और टिकाऊ हो सकेगा। जरूरी है कि प्रशासन इस ओर गंभीरता से ध्यान दे और बिना अनुमति हो रही खुदाई पर सख्ती से रोक लगाए। साथ ही सभी विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर योजनाबद्ध तरीके से कार्य सुनिश्चित करे ताकि भविष्य में जनता को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

सिलफिली में 3 अप्रैल को सजेगा खाटू श्याम जी का दरबार

छ.ग. फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। श्री श्याम सेवा समिति सिलफिली द्वारा आगामी 3 अप्रैल को सिलफिली हाई स्कूल ग्राउंड में पंचम श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। श्री श्याम सेवा समिति के अध्यक्ष शुभम अग्रवाल ने बताया कि श्याम रस की अलख जगाने के लिए श्याम जगत के भजन प्रवाहकों को आमंत्रित किया गया है, जिसमें मुख्य रूप से परविंदर पलक फतेहाबाद से, मोनू दुआ चंडीगढ़ से चैतन्य दाधीच जयपुर से बाबा श्याम की अलख जगाएंगे। कीर्तन में सूरजपुर के पप्पू महाराज का सानिध्य प्राप्त होगा। पंचम श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव को भव्य रूप से करने के लिए आयोजन समिति के सदस्य जोर-जोर से लगे हुए हैं। बाबा श्याम के भव्य दरबार हेतु उड़ीसा के दरबार सेवकों को आमंत्रित किया गया है, जो बाबा श्याम का आकर्षक दरबार बनाएंगे और अलौकिक श्रृंगार हेतु विभिन्न राज्यों के फूलों की मंगवाने की तैयारी की जा रही है। कीर्तन में श्याम रसोई, इत्र वर्षा, छप्पन भोग की व्यवस्था की गई है। आयोजन की तैयारियों के बीच कीर्तन को सफल बनाने हेतु समिति के संरक्षक ठाकुर राजवाड़े, धीरज विश्वास, अध्यक्ष शुभम अग्रवाल, नरेंद्र यादव, अमन अग्रवाल, दीतेश राय, शुभम गोयल, कृष्णा गुप्ता, अभिषेक कुशवाहा, राजकुमार बैरागी, शशिकांत भगत, नीरज अग्रवाल, रोहित कुशवाहा, धीरज अग्रवाल, दीपक कुशवाहा, सूरज कुशवाहा, साहिल, बिट्टू, पीयूष कुशवाहा व अन्य सक्रिय हैं।

सेवा सहकारी समिति मर्यादित सनौद में प्रधानमंत्री अन्न दाता आय संरक्षण अभियान के अंतर्गत दलहन तिलहन की खरीदी प्रारंभ

छ.ग. फ्रंटलाइन बालोद। राज्य शासन के मंशानुरूप एवं कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के मार्गदर्शन में गुरूर विकासखण्ड के सेवा सहकारी समिति मर्यादित सनौद में प्रधान मंत्री अन्न दाता आय संरक्षण अभियान (पी.एम.आशा) के तहत रबी विपणन वर्ष 2026-27 में प्राईस सर्पोट स्कीन अंतर्गत समर्थन मूल्य पर चना, मसूर एवं सरसों की खरीदी प्रारंभ की गई। योजनांतर्गत खरीदी का शुभारंभ विभागीय अधिकारियों एवं क्षेत्र के जन प्रतिनिधियों के साथ-साथ कृषकों की उपस्थिति में किया गया। कृषि विभाग के उप संचालक ने बताया कि सेवा सहकारी समिति सनौद में शुभारंभ के दिन 08 कृषकों द्वारा कुल 140 क्विंटल चना का विक्रय किया गया। जिसमें गणेश राम साहू पलारी ने 07 क्विंटल, रेखराम साहू पलारी ने 27 क्विंटल, उग्रसेन सिन्हा भिरई ने 14.50 क्विंटल, टेकराम साहू पलारी ने 15.50 क्विंटल प्रीतम साहू पलारी ने 18 क्विंटल, कांती साहू पलारी ने 15 क्विंटल खम्हन साहू, पलारी 26 क्विंटल, टम्पेश्वर साहू बोहारा ने 17 क्विंटल विक्रय किया। खरीदी शुभारंभ के अवसर पर पूर्व विधायक संजारी बालोद श्री प्रीतम साहू, जिला पंचायत सभापति कृषि स्थायी समिति श्री तेजराम साहू, अध्यक्ष जनपद पंचायत गुरूर श्रीमति सुनीता संजय साहू, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत गुरूर श्री दुर्गानंद साहू, सभापति कृषि स्थायी समिति जनपद पंचायत गुरूर श्री नरेश साहू एवं अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित कृषकों को संबोधित किया गया। उपस्थित कृषकों को उप संचालक कृषि बालोद के द्वारा अधिक से अधिक मात्रा में सहकारी समितियों के माध्यम से चना, मसूर एवं सरसों फसल का पंजीयन एवं विक्रय करने हेतु प्रेरित किया गया। खरीदी कार्य की सुचारू रूप से प्रारंभ करने में श्री सूर्य नारायण ताम्रकर सहायक संचालक कृषि, श्री महेश मार्गिया अनुविभागीय अधिकारी कृषि, श्री संतोष सिंह एन.सी.सी.एफ. श्री विनोद शर्मा नोडल अधिकारी एस.डब्ल्यू. सी. श्री सी. एल. ठाकुर वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी गुरूर, श्री कुलदीप देवांगन ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, श्री नंदकुमार साहू प्राधिकृत अधिकारी सनौद के साथ साथ समिति प्रबंधक श्री चन्द्रशेखर साहू का विशेष सहयोग रहा।

कोल इंडिया ने कैंसर इलाज का पूरा खर्च उठाने का लिया फैसला

छ.ग. फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। देश की प्रमुख कोयला कंपनी सीआईएल ने अपने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए एक बेहद राहतभरी और मानवीय पहल करते हुए कैंसर उपचार को लेकर बड़ा और अहम निर्णय लिया है। कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की 487 वीं बैठक में इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव को मंजूरी दी गई, जिसके बाद 20 मार्च को आधिकारिक आदेश जारी कर इसे लागू कर दिया गया। इस फैसले के तहत अब कैंसर जैसी गंभीर और महंगी बीमारी के इलाज का पूरा खर्च कंपनी खुद वहन करेगी। इसके लिए मुंबई स्थित देश के प्रतिष्ठित टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल को अधिकृत संस्थान घोषित किया गया है, जहां इलाज कराने वाले पात्र लाभार्थियों को वास्तविक खर्च के आधार पर पूरी आर्थिक सहायता मिलेगी।जारी आदेश के अनुसार कैंसर उपचार से जुड़े सभी जरूरी मेडिकल खर्च अब सीआईएल द्वारा वहन किए जाएंगे। इसमें डॉक्टर की परामर्श फीस, विभिन्न प्रकार की जांचें, आधुनिक इमेजिंग तकनीक, कीमोथेरेपी, रेडिएशन थेरेपी और सर्जरी जैसे महंगे उपचार शामिल हैं। यानी मरीजों को अब इलाज के दौरान आर्थिक बोझ की चिंता नहीं सताएगी। हालांकि कंपनी ने इस सुविधा के लिए कुछ जरूरी शर्तें भी निर्धारित की हैं। लाभ तभी मिलेगा जब— इलाज टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल द्वारा प्रमाणित हो, उपचार स्वीकृत ऑन्कोलॉजी प्रोटोकॉल अंतर्गत किया गया हो। यह सुविधा सिर्फ वर्तमान कर्मचारियों तक सीमित नहीं है, बल्कि सेवानिवृत्त कर्मियों और अन्य पात्र लाभार्थियों को भी इसका लाभ मिलेगा। यह योजना मेडिकल अटेंडेंस रूल्स और सीपीआरएमएसई योजनाओं के अंतर्गत आने वाले सभी हितग्राहियों पर लागू होगी ।सीआईएल का यह निर्णय न केवल कर्मचारियों के स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि यह कंपनी की सामाजिक और मानवीय जिम्मेदारी को भी दर्शाता है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज में आने वाले भारी खर्च को देखते हुए यह फैसला हजारों परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं माना जा रहा है। स्थानीय स्तर पर भी इस निर्णय की सराहना हो रही है। कर्मचारियों और उनके परिजनों ने इसे राहत और विश्वास बढ़ाने वाला कदम बताया है, जिससे अब गंभीर बीमारी के समय आर्थिक संकट की चिंता काफी हद तक कम हो सकेगी।

न्यायालय नायब तहसीलदार भैयाथान जिला सूरजपुर (छ0ग0)

// ईश्तहार //

आम जनता ग्राम-दनौलीखुर्द, प0ह0नं0-03, रा0नि0मं0 भैयाथान, तहसील भैयाथान जिला-सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण मंजीत कुमार आ0 मोहन राम वगै0 उम्र लगभग-38 वर्ष जाति पनिका निवासी ग्राम कुसमुसी तहसील भैयाथान, जिला-सूरजपुर (छ0ग) अनावेदकगण अमाली पुत्री फुलसाय वगै0 उम्र लगभग-85 वर्ष जाति पनिका निवासी ग्राम दनौलीखुर्द तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर छ0ग0 के संयुक्त स्वामित्व एवं आधिपत्य कि भूमि ग्राम दनौलीखुर्द में स्थित भूमि खसरा नम्बर-137, 225, 229 रकबा 0.49, 0.05, 0.04 हे0 भूमि स्थित है जिस पर मईया आ0 आगरसाय, सोनी आ0 आगरसाय, नान आ0 आगरसाय का नाम सहखातेदार के रूप में दर्ज है जिनकी मृत्यु लगभग 35 वर्ष पूर्व हो चुकी है जिनका नाम विलोपित करते हुए आवेदकगण एवं अनावेदकगण के मध्य 1/2 हिस्सा में बंटवारा किये जाने हेतु छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 178 के तहत् बी-1, खसरा की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र मय दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। किन्तु उक्त भूमि के सहखातेदार मईया आ0 आगरसाय, सोनी आ0 आगरसाय, नान आ0 आगरसाय का मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं होने के कारण जिससे दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशन कराया जाता है। अत: जिस किसी हितबद्व पक्षकार को आपत्ति हो तो वह अपना आक्षेप दिनांक 31/03/2026 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जायेगा एवं तदानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। आज दिनांक 16/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया है।

नायब तहसीलदार
भैयाथान जिला सूरजपुर (छ.ग.)

रायगढ़ में बाल विवाह रोकथाम को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

छ.ग. फ्रंटलाइनरायगढ़। महिला एवं बाल विकास विभाग, रायगढ़ द्वारा नगर पालिक निगम ऑडिटोरियम में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत जिला स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जिले को बाल विवाह की कुप्रथा से मुक्त करना तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी देकर जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना था। कार्यशाला कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देश, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिजीत बबन पठारे तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री एल.आर. कच्छप के मार्गदर्शन में आयोजित की गई।

कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में बचपन बचाओ आन्दोलन रायपुर के स्टेट कोऑर्डिनेटर श्री विपिन ठाकुर उपस्थित रहे। उन्होंने पावर पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006, किशोर न्याय अधिनियम 2015 तथा पॉक्सो एक्ट 2012 के महत्वपूर्ण प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बाल विवाह रोकने के कानूनी उपायों और बच्चों के संरक्षण से जुड़े पहलुओं पर विशेष जोर देते हुए प्रतिभागियों को जागरूक किया।

विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती अंकिता मुदलियार ने बताया कि रायगढ़ जिले की 282 ग्राम पंचायतें बाल विवाह मुक्त घोषित हो चुकी हैं और शेष 268 ग्राम पंचायतों को भी निर्धारित समय-सीमा में इस श्रेणी में लाने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यशाला में शासन के निर्देशों का वाचन किया गया, जिसमें सभी ग्राम पंचायतों में विवाह पंजी का अनिवार्य संधारण, 12 सदस्यीय निगरानी टीम का गठन तथा आगामी रामनवमी और अक्षय तृतीया के अवसर पर जागरूकता अभियान चलाने की बात कही गई। अतिथियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए समाज से बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने और रायगढ़ को बाल विवाह मुक्त जिला बनाने के लिए समन्वय एवं सहयोग की अपील की।

इस अवसर पर श्री गेवेश नायक अध्यक्ष बाल कल्याण समिति, श्रीमती उन्नति ठाकुर उप पुलिस अधीक्षक एवं नोडल विशेष किशोर पुलिस इकाई, श्रीमती विनीता अग्रवाल सदस्य किशोर न्याय बोर्ड, श्री गेंदसिंह चन्द्रा सदस्य किशोर न्याय बोर्ड, श्री रूपलाल चौहान सदस्य बाल कल्याण समिति, श्रीमती निवेदिता पटनायक सदस्य बाल कल्याण समिति, श्री लक्ष्मी पटेल सदस्य बाल कल्याण समिति, श्री धीरेन्द्र कुमार शर्मा जिला बाल संरक्षण अधिकारी, महिला एवं बाल विकास के परियोजना अधिकारी, सेक्टर पर्यवेक्षक, पंचायत विभाग के ग्राम पंचायत सचिव, पुलिस विभाग के विशेष किशोर पुलिस इकाई के अधिकारी एवं कर्मचारी, शिक्षा विभाग से संकुल प्राचार्य, स्वयं सेवी संस्थान के संचालक, धार्मिक प्रतिष्ठान के प्रतिनिधि, समाज प्रमुख, जिला बाल संरक्षण इकाई के अधिकारी एवं कर्मचारी, बाल देखरेख संस्था के अधिकारी एवं कर्मचारी सहित कुल 750 प्रतिभागी कार्यशाला में उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना के तहत कृषि उन्नति को नई गति कलेक्टर ने दिए बहुआयामी निर्देश

छ.ग. फ्रंटलाइन दंतेवाड़ा। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव द्वारा जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना के अंतर्गत कृषि विकास योजना के अंतर्गत समूह (क्लस्टर) चयन एवं कृषि विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने चयनित ग्रामों में रात्रि चौपाल आयोजित कर किसानों के साथ सतत संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए।

बैठक में एजेंडा अनुसार सुगंधित धान उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए चयनित किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने एवं बीज प्रमाणीकरण,सिंचाई सुविधाओं के सुधार हेतु लिफ्ट सिंचाई प्रणाली एवं क्रेडा (द्वारा स्थापित उपकरणों के मरम्मत और सुधार, हरी खाद के प्रचार-प्रसार के तहत लैंप्स के माध्यम से किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड अंतर्गत हरी खाद उपलब्ध कराने एवं बीआरसी समूहों के सुदृढ़ीकरण हेतु प्रशिक्षण आयोजित कर जिला खनिज न्यास अंतर्गत 5000 किसानों को 80 प्रतिशत अनुदान पर जैविक आदान सामग्री उपलब्ध कराने,नाडेप टांका के माध्यम से कम्पोस्ट उत्पादन को बढ़ावा देने, पूर्व से बने टांकों को भरने एवं बांस से नए टांकों का निर्माण, कृषक उन्नति योजना के तहत मरहान क्षेत्रों में धान के स्थान पर लघु अनाज की खेती को प्रोत्साहित करने तथा ऐसे किसानों की पहचान कर उन्हें प्रेरित करने, जैविक खेती के प्रचार हेतु सफल किसानों की कहानियों एवं तकनीकों पर आधारित लघु वीडियो (रील्स) बनाने, किसान क्रेडिट कार्ड के नए प्रकरणों को बढ़ावा देने तथा किसानों को एटीएम कार्ड के उपयोग, रबी क्षेत्र विस्तार के अंतर्गत समुदाय के साथ चर्चा कर चरवाहों के चयन, कृषि यांत्रिकीकरण को बढ़ावा देते हुए विकासखंड स्तर पर कस्टम हायरिंग केंद्र की स्थापना, धान रोपण यंत्र (पैडी ट्रांसप्लांटर) एवं प्रत्यक्ष बीजारोपण विधि के प्रचार-प्रसार, पावर टिलर एवं पावर वीडर जैसे कृषि यंत्रों के अनुदान वितरण, सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से चयनित किसानों को एटीएम मॉडल पर प्रशिक्षण, शीत कक्ष (कोल्ड चेम्बर) वितरण तथा उद्यानिकी विभाग की नर्सरी में ग्राफ्टेड पौधों के उत्पादन, ऑयल पाम (ताड़) पौधारोपण हेतु किसानों की सूची तैयार कर आवश्यक सुविधाओं की स्वीकृति, जिले के तालाबों एवं डबरियों में मत्स्य बीज वितरण कर मछली पालन को प्रोत्साहित किए जाने की अद्यतन प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की गई। बैठक के समापन पर कलेक्टर ने कहा कि संबंधित सभी विभाग आगामी बैठक तक आपसी समन्वय कर निर्देशानुसार सभी कार्यों में अपेक्षित प्रगति लाए।

पत्थर लोड ट्रेक्टर जब्त करके लाते वक्त वन अमला से गालीगलौज

छ.ग.फ्रंटलाइन कुसमी। बलरामपुर जिला के कुसमी थाना अंतर्गत अवैध पत्थर लोड ट्रेक्टर को वन अधिकारी के द्वारा जब्त करके लाते समय वाहन मालिक के द्वारा रोककर चालक को भगा देने और वन विभाग के चालक के साथ गालीगलौज, मारपीट करके सड़क पर पत्थर गिरवा देने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस मामले में केस दर्ज करके अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

वन विभाग में वाहन चालक के पद पर पदस्थ सुमन तिर्की पिता स्व. गोपाल राम 45 वर्ष ने कुसमी थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 19 मार्च को अवैध पत्थर तस्करी की सूचना पर ग्राम गजाधरपुर की ओर एसडीओ मणिकांत वर्मा के साथ वह गया था। इस दौरान वन परिक्षेत्र कुसमी के बीट कुसमी, कक्ष क्रमांक पी-3033 में हरिगोविन्द के ट्रेक्टर से अवैध पत्थर का परिवहन करना पाया गया। एसडीओ वन ने मौके पर ट्रेक्टर को जप्त कर लिया और विभागीच चालक को उन्होंने ट्रेक्टर में बैठकर साथ में कार्यालय परिसर में आने के लिए कहा। आगे-आगे शासकीय वाहन क्रमांक सीजी 02 एयू 2175 में एसडीओ जा रहे थे। आरोप है कि रास्ते में एक क्रशर के पास मुख्य मार्ग में शाम करीब 6 बजे ट्रेक्टर मालिक हरिगोविंद ट्रेक्टर को रोका और अपने ड्राइवर को भगाकर ट्रेक्टर में लोड पत्थर को हाइड्रोलिक चालू करके सड़क में गिरा दिया, और एसडीओ के निर्देशन में ट्रेक्टर में बैठकर आ रहे वन विभाग के चालक सुमन तिर्की से गालीगलौज करते हुए कालर पकड़ कर उतार दिया और भाग जाने के लिए कहा। इस दौरान आगे-आगे शासकीय वाहन में जा रहे एसडीओ ने गाड़ी रोक कर बीच-बचाव किया, जिस पर उत्तेजित होकर देख लेने की धमकी देते हुए ट्रेक्टर स्वामी ने मारपीट की घटना को अंजाम दिया। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है और अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है।

आजीविका और जल संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समूह की महिलाओं ने साझा किए अनुभव

छ.ग. फ्रंटलाइन उत्तर बस्तर कांकेर। ग्रामों में जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे कार्यकर्ताओं, सामुदायिक सदस्यों, ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों एवं अन्य हितधारकों के अनुभवों को साझा करने शुक्रवार 20 मार्च को जिला पंचायत एवं गैर शासकीय संगठन प्रदान के संयुक्त तत्वावधान में जिला पंचायत के सभाकक्ष में प्रेरणा से प्रगति नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और पंचायत स्तर पर जल संरक्षण और संवर्धन पर चर्चा की गई, साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री हरेश मंडावी ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम समुदाय एवं ग्राम पंचायतों को प्रेरित करने के साथ-साथ उनके कार्यों को नई दिशा मिलती है। उन्होंने पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई) के महत्व, ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) की प्रभावशीलता तथा महिला स्वयं सहायता समूहों की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही यह भी बताया कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में एक डिजिटल टूल विकसित कर ग्राम पंचायत विकास योजना की प्रक्रिया को डिजिटाइज किया गया है, जिसके माध्यम से जिले की प्रगति अब ऑनलाइन रूप से देखी जा सकती है। इस डिजिटल व्यवस्था से योजनाओं की निगरानी, पारदर्शिता एवं समयवद्ध क्रियान्वयन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

दुल्हन को लेकर लौट रही गाड़ी अनियंत्रित होकर पलटी, बच्ची की मौत, 10 घायल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कोरबा। बांकी मोंगरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसा में शादी से लौट रही दुल्हन की गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसमें एक मासूम बच्ची की मौत हो गई, जबकि 10 लोग घायल हो गए। घटना डबरीपारा मोड़ के पास की बताई जा रही है। वाहन (तूफान सीजी 11 बीजे 9084) ग्राम कसरेंगा से कोरबा के दादर खुर्द की ओर जा रहा था। गाड़ी में दुल्हन सहित महिलाएं और बच्चे समेत कुल 11 लोग सवार थे। इसी दौरान अचानक वाहन का संतुलन बिगड़ा और गाड़ी पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। घटना में एक बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायल 10 लोगों का इलाज बांकी मोंगरा स्थित एसईसीएल अस्पताल में जारी है। घायलों में कई महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। फिलहाल दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर वाहन के अनियंत्रित होने को हादसे की वजह माना जा रहा है।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने वाटर प्लांट और भोगाशाला से जांच के लिए लिया नमूना

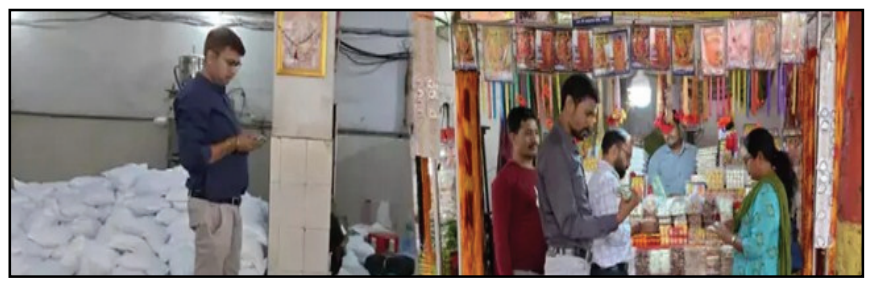

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच टीम को गंगोत्री वाटर प्लांट में को बड़ी गड़बड़ी मिली है। फजीर्वाड़े के आरोप में टीम ने प्लांट से पानी की 3030 बोतलें और 29100 पाउच की जब्ती बनाई है। इसे सीज कर दिया गया है। पानी भरे बोतलों और पाउच में भ्रामक लेबलिंग की बात जांच टीम ने बताई है। खाद्य एवं सुरक्षा विभाग की टीम छत्तीसगढ़ रतनपुर महामाया मंदिर के भोगशाला का निरीक्षण किया। यहां श्रद्धालुओं को बांटे जाने वाले प्रसाद का सैम्पल लिया है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने सीपत के गंगोत्री मिनरल वाटर प्लांट पर छापा मारा। जांच के दौरान भ्रामक लेबलिंग मिलने के आरोप में पानी की 32 हजार से अधिक पानी बोतलें और पाउच की जब्ती बनाई है। नवरात्र पर्व और गर्मी के मौसम में लोगों की जानमाल की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर संजय अग्रवाल और नियंत्रक खाद्य सुरक्षा के निर्देश पर छापामार कार्रवाई की गई है। विभाग की तरफ से नवरात्रि और बढ़ती गर्मी के मद्देनजर जांच अभियान चलाया जा रहा है।

भ्रामक लेबलिंग के कारण पानी बोतले व पानी पाउच सीज

गंगोत्री मिनरल एंड वाटर प्लांट से पानी की बोतलों के सैंपल भी लिए गए। भ्रामक लेबलिंग के कारण 1 लीटर की 210 पेटियां (प्रत्येक में 12 बोतल), 250 एमएल की 3030 पानी की बोतलें और 250 एमएल के 29,100 पानी पाउच सीज कर दिया है।

भोग प्रमाणन के लिए खाद्य पदार्थों के नमूने

विभाग की टीम ने दो अन्य फर्मों को सुधार के लिए नोटिस जारी किया है। जांच टीम ने सेवई, साबूदाना, अरहर दाल और चना दाल के नमूने भी एकत्र किए। रतनपुर स्थित मां महामाया मंदिर में श्रद्धालुओं को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण प्रसाद उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रसाद कक्ष का भी जायजा लिया। मंदिर में भोग प्रमाणन (भोग सर्टिफिकेट) के लिए खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर परीक्षण के लिए भेजे गए हैं। मंदिर परिसर के बाहर लगे ठेलों और गुमटियों की भी जांच की गई। यहां अखाद्य रंग से तैयार चाट को नष्ट कराया गया और संचालकों को खाद्य सुरक्षा मानकों के बारे में जानकारी दी गई।

अदाणी विद्या मंदिर की छात्रा ने सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में प्राप्त की सफलता

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। अदाणी विद्या मंदिर सरगुजा की कक्षा आठवीं की छात्रा श्रेया सिंह ओटी ने ऑल इंडिया सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा एआईएसईई 2026 में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। श्रेया ने 200 में से 142 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक 32,629 प्राप्त की है। पिछले तीन वर्षों से विद्यालय में अध्ययन कर रहीं श्रेया ने यह सफलता बिना किसी ट्यूशन या बाहरी कोचिंग के हासिल की है। नियमित अध्ययन, तार्किक सोच और आत्म-अनुशासन के साथ शिक्षकों के मार्गदर्शन और सहयोग ने उनकी क्षमताओं को विस्तार दिया और उन्होंने स्वयं को मेहनती तथा सक्षम छात्रा के रूप में विकसित किया।

विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और सुविधाएँ

अदाणी फाउंडेशन द्वारा संचालित अदाणी विद्या मंदिर, सरगुजा ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को सीबीएसई पाठ्यक्रम आधारित, पूर्णतः निःशुल्क शिक्षा प्रदान करता है। विद्यालय में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आधुनिक संसाधन उपलब्ध हैं। परिसर में सुव्यवस्थित पुस्तकालय, उच्च तकनीक युक्त कंप्यूटर लैब और डिजिटल लर्निंग सुविधाएँ उपलब्ध हैं। विज्ञान विषयों के अध्ययन हेतु सुसज्जित प्रयोगशालाएँ स्थापित हैं, जो छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने में सहायता करती हैं। साथ ही, विद्यालय स्वच्छ और सुरक्षित परिसर, पौष्टिक नाश्ता और मध्याह्न भोजन की व्यवस्था भी करता है, जिससे छात्र निर्बाध रूप से अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।

श्रेया की सफलता पर विद्यालय प्रबंधन ने हर्ष व्यक्त किया

विद्यालय प्रबंधन ने श्रेया की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनके अनुशासित अध्ययन, तार्किक सोच, निरंतर प्रयासों और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। विद्यालय का मानना है कि श्रेया जैसे छात्र संस्थान के शैक्षणिक वातावरण और मूल्यों को और सशक्त करते हैं।

रोड मार्किंग गाड़ी में ब्लास्ट से भीषण आग, दो लोगों ने कूदकर बचाई जान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। शनिवार की सुबह नगर के टिकरापारा थाना क्षेत्र में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। देवपुरी इलाके में रोड मार्किंग करने वाली गाड़ी में अचानक ब्लास्ट के बाद भीषण आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

ब्लास्ट के बाद धू-धू कर जली गाड़ी

जानकारी के अनुसार, घटना सुबह करीब साढ़े 11 बजे की है। गाड़ी सड़क पर रोड मार्किंग का काम कर रही थी। इसी दौरान गाड़ी में लगी मशीन से अचानक चिंगारी निकली, जिससे ब्लास्ट हो गया और देखते ही देखते आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया।

गाड़ी से कूदकर बचाई जान

हादसे के समय गाड़ी में एक महिला सहित दो लोग सवार थे। आग लगते ही दोनों ने तत्परता दिखाते हुए गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचाई। यदि थोड़ी भी देर होती, तो बड़ा हादसा हो सकता था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग बुझाई। हालांकि तब तक गाड़ी काफी हद तक जल चुकी थी।

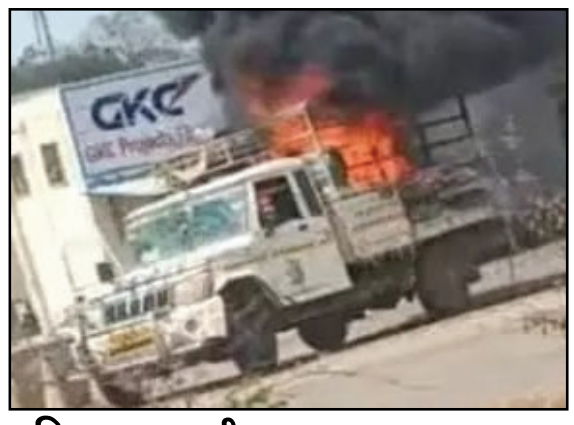

पुलिस कर रही है मामले की जांच

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रोड मार्किंग मशीन से निकली चिंगारी के कारण यह हादसा हुआ। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। इस घटना ने एक बार फिर सड़क निर्माण और मेंटेनेंस कार्यों में सुरक्षा मानकों के पालन की आवश्यकता को उजागर कर दिया है।

मुखबीर की सूचना पर गौमांस के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

पत्थलगांव। कोतबा पुलिस चौकी के सामने मेन रोड पर वाहनों की चेकिंग के दौरान पुलिस को मुखबीर से पुख्ता सूचना मिली कि एक व्यक्ति उड़ीसा राज्य के ग्राम बनडेगा से अपने अल्टो कार क्रमांक ओआर 14जी3271 में गौवंश का वध कर, भारी मात्रा में गौवंश के मांस को कार में रखकर, कोतबा की ओर से होते हुए, लैलूंगा, जिला रायगढ़ की ओर जा रहा है। जिस पर पुलिस के द्वारा मुखबिर की सूचना के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराते हुए तत्काल, पुलिस बल के साथ मेन रोड पर पर नाका बंदी की गई थी। इसी दौरान संदिग्ध अल्टो कार आता दिखाई देने पर पुलिस टीम के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए, घेराबंदी कर, संदिग्ध वाहन को रोका गया। वाहन की तलाशी लेने पर ड्राइवर सीट के बगल में एक बैग में 1-1 किलो की पालीथीन में बंधा हुआ 25 पैकेट व बीच सीट में काले रंग के बैग के अंदर रखे 1-1 किलो की पालीथीन में बंधा हुआ 35 पैकेट, इस प्रकार कुल 60 पैकेट में, 60 किलो मांस मिला, पूछताछ पर आरोपी चालक ने अपना नाम जीसान हुसैन उम्र 24 वर्ष, निवासी ग्राम बनडेगा, थाना तलसरा, जिला सुंदरगढ़ (उड़ीसा) का रहने वाला बताया व उक्त संदिग्ध मांस को ग्राम बन डेगा से लेकर आना बताया। पुलिस के द्वारा संदिग्ध आरोपी जिसान हुसैन को हिरासत में ले लिया गया व संदिग्ध मांस को जप्त कर, पशु चिकित्सक से परीक्षण कराया गया। पशु चिकित्सक के द्वारा जप्त मांस की, गौवंश के मांस होने की पुष्टि करने पर पुलिस के द्वारा आरोपी के विरुद्ध चौकी कोतबा में छ.ग. कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 6, 10 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। पुलिस की पूछताछ पर आरोपी जीसान हुसैन उम्र 24 वर्ष के द्वारा अपराध स्वीकार करने व प्रयाप्त सबूत पाए जाने पर, घटना में प्रयुक्त अल्टो कार को भी जप्त करते हुए, उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। आरोपी की गिरफ्तारी में चौकी प्रभारी कोतबा उप निरीक्षक बृजेश यादव, प्रधान आरक्षक अजय खेस, संजय लकड़ा, आरक्षक अभय चौबे, बूटा सिंह, नवनीत मिश्रा, रघुराज रजक, सुशील तिर्की व निर्मल नाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

रेणुकूट में सड़क किनारे कट स्टोन लगाने का कार्य शुरू, राज्य मंत्री संजीव गोंड़ ने किया भूमि पूजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रेणुकूट। स्थानीय नगर पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए वी-मार्ट पुलिया से खाड़पाथर मोड़ तक सड़क की दोनों पटरियों पर कट स्टोन लगाने का कार्य शुरू हो गया है। इस महत्वपूर्ण परियोजना का शुभारंभ शुक्रवार को प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री संजीव गोंड़ द्वारा विधिवत भूमि पूजन कर किया गया। भूमि पूजन के दौरान राज्य मंत्री संजीव गोंड़ ने कहा कि प्रदेश सरकार आम जनता की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए लगातार विकास कार्य कर रही है। उन्होंने कहा, ह्लयह सड़क क्षेत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। कट स्टोन लगने से न केवल सड़क मजबूत होगी, बल्कि दुर्घटनाओं पर भी काफी हद तक रोक लगेगी। हमारी सरकार का उद्देश्य है कि हर नागरिक को बेहतर और सुरक्षित यातायात सुविधा मिले।ह्व उन्होंने आगे कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा कराया जाएगा। यह कार्य जिला खनिज निधि के फंड से कराया जा रहा है, जिसके लिए कुल 2 करोड़ 63 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। योजना के तहत सड़क के दोनों ओर 10-10 फीट तक कट स्टोन बिछाया जाएगा। एक ओर से इस मार्ग की लंबाई लगभग 2.100 किलोमीटर है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस मार्ग पर पहले अक्सर सड़क दुर्घटनाएं होती थीं और जाम की समस्या भी गंभीर बनी रहती थी। सड़क के किनारे मजबूत पटरी न होने के कारण वाहन चालकों और पैदल यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। अब कट स्टोन बिछने से सड़क चौड़ी और सुरक्षित होगी, जिससे यातायात व्यवस्था बेहतर होने के साथ-साथ दुर्घटनाओं में भी कमी आने की उम्मीद है।

दो संदिग्ध मौतों से राजधानी में सनसनी: उरला में मिला कंकाल तो अभनपुर में दफन मिला शव

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में दो अलग-अलग घटनाओं ने सनसनी फैला दी है। अभनपुर थाना क्षेत्र में जहां एक युवक का शव मिट्टी में दबा हुआ मिला, वहीं उरला इलाके में एक नर कंकाल मिलने से हड़कंप मच गया है। दोनों ही मामलों में पुलिस जांच में जुटी हुई है। रायपुर ग्रामीण पुलिस के अभनपुर थाना क्षेत्र में ग्रामीणों ने एक शव देखा, जो आधा मिट्टी में दबा हुआ था। शव का एक हाथ और पैर बाहर नजर आ रहा था, जबकि बाकी हिस्सा मिट्टी के नीचे दबा हुआ था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। एफएसएल और डॉग स्क्वॉड की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने शव को बाहर निकालकर पहचान करने की कोशिश की। मृतक की पहचान उसके हाथ में बने टैटू के आधार पर नितेश बत्रा (25 वर्ष), निवासी शदाणी दरबार क्षेत्र के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि युवक के गुम होने की शिकायत पहले से थाने में दर्ज थी। प्रारंभिक तौर पर यह मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि हत्या किसने और क्यों की, इसका खुलासा अभी नहीं हो पाया है। इसी बीच रायपुर कमिश्नरेट के उरला थाना क्षेत्र के मेटल पार्क इलाके में एक नर कंकाल मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और कंकाल की पहचान दिलीप नामक व्यक्ति के रूप में की गई, जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट पहले दर्ज कराई गई थी। दोनों मामलों में पुलिस अलग-अलग एंगल से जांच कर रही है। अभनपुर में हत्या की आशंका जताई जा रही है, जबकि उरला में मौत के कारणों का अभी खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जल्द ही दोनों मामलों की सच्चाई सामने लाई जाएगी।

हेरोइन तस्करी गैंग का किया भंडाफोड़, चार बड़े सप्लायर को पंजाब से किया गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। शहर में पंजाब से चलने वाले हेरोइन तस्करी सिंडेकेट का खुलासा पुलिस ने किया है। गिरफ्तार 4 आरोपियों के कब्जे से एक विदेशी बरेटा पिस्टल बरामद की गई है। आरोपी पिस्टल साथ में रखकर हेरोइन की तस्करी करते थे। आरोपियों का सीधा संपर्क पाकिस्तान से सटे पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्रों में सक्रिय बड़े तस्करी नेटवर्क से था। पंजाब से हेरोइन को डॉक पार्सल व ट्रक ड्राइवर से सांठ-गांठ कर रायपुर में सप्लाई करते थे। दरअसल, रायपुर पुलिस पिछले कुछ समय से हेरोइन चिट्टा की तस्करी और सप्लाई करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। पूर्व में कुछ आरोपियों को पकड़ा गया था, जिनका कनेक्शन पंजाब से था। आरोपी पंजाब के मुख्य सप्लायर से ड्रग्स मंगवाकर रायपुर की बड़ी पार्टियों समेत अन्य जगहों पर डिलीवरी करते थे। आरोपियों से पूछताछ के बाद से ही रायपुर कमिश्नरेट पुलिस मुख्य सप्लायर को पकड़ने में जुटी हुई थी। इसी बीच पुलिस की टीम ने पाब्लो गैंग के रूपिंदर को ड्ग्र्स के साथ गिरफ्तार किया था। आरोपी से पूछताछ में मुख्य सप्लायर कवलजी सिंह पन्नू के बारे में जानकारी मिली थी। पन्नू पाकिस्तान से सटे पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्रों में सक्रिय तस्कर नेटवर्क से सौधे हेरोइन खदीदता था। रायपुर कमिश्नरेट पुलिस ने बीना देरी किए पंजाब में रेड कर आरोपी कवलजी सिंग पन्नू समेत चार तस्करों को को धर-दबोचा गया। पूछताछ में पन्नू ने खुलासा किया कि वो तस्करी नेटवर्क से हेरोइन खरीदकर डॉक पार्सल और ट्रक ड्राइवरों को लालच देकर उनके माध्यम से रायपुर में माल की सप्लाई करता था। आरोपी पन्नू के खिलाफ रायपुर, पंजाब समेत कई थानों में एनडीपीएस के तहत अपराध दर्ज है। जांच में यह भी पता चला कि आरोपी अपने साथ हर वक्त एक बरेटा पिस्टल भी रखता था। रूपिंदर और पन्नू दोनों आरोपी खुद हेरोइन की तस्करी नहीं करते थे, बल्कि कूरियर व ट्रक ड्राइवरों के माध्यम से रायपुर में सप्लाई करते थे। गिरफ्तार आरोपी राज ने पुलिस को बताया कि हेरोइन की तस्करी के लिए उन ट्रक चालकों की मदद लेते थे, जो व्यापारिक माल को पंजाब से छत्तीसगढ़ तक लाते-लेजाते थे। जांच एजेंसिया भी इन पर शक नहीं कर पाती थी। आरोपियों के कब्जे से 11.82 गाम हेरोइन, पिस्टल, जिंदा कारतूस और मोबाइल जब्त किया गया है। कवलजीत सिंह पन्नू पिता मेहताब सिंह, तरसेम सिंग उर्फ साजन पिता साहिब सिंग, विक्की सिंग पिता चिमन लाल, जनक राज पिता चिमन लाल को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गये चारों आरोपी पंजाब के रहने वाले है। इनके खिलाफ थाना कबीर नगर, आमानाका, थाना डीडी नगर थानों में अपराध दर्ज है।

सम्पादकीय

आर्थिक और खाद्य संकट की ओर बढ़ रही दुनिया

दुनिया एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां युद्ध की चिंगारी केवल सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और आम जनजीवन को अपनी चपेट में ले रही है। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने इस आशंका को और गहरा कर दिया है कि आने वाले समय में दुनिया आर्थिक और खाद्य संकट की ओर तेजी से बढ़ सकती है। सप्लाई चेन बाधित होने का खतरा मंडरा रहा है। सबसे पहला असर ऊर्जा बाजार पर दिख रहा है। खाड़ी क्षेत्र में अस्थिरता और तनाव के चलते कच्चे तेल की कीमतें 115 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच चुकी हैं। यूरोप में गैस की कीमतों में 30-35 प्रतिशत तक उछाल दर्ज किया गया है। ऊर्जा महंगी होने का सीधा मतलब है हर चीज महंगी होना। परिवहन, उत्पादन, बिजली और रोजमर्रा की वस्तुओं की लागत बढ़ती है, जिसका बोझ अंततः आम आदमी पर ही पड़ता है। भारत जैसे विकासशील देश के लिए यह स्थिति और चुनौतीपूर्ण है। भारतीय रुपया लगातार दबाव में है और आयात महंगा हो रहा है। जब कच्चा तेल महंगा होता है तो पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ते हैं, जिससे महंगाई की पूरी शृंखला शुरू हो जाती है। यही कारण है कि जियोपॉलिटिकल तनाव का असर केवल शेयर बाजार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि रसोई तक पहुंच जाता है। खाद्य संकट की आशंका भी उतनी ही गंभीर है। खाड़ी देशों में बढ़ते तनाव के कारण फास्फेट, यूरिया और अन्य उर्वरकों की आपूर्ति बाधित हो सकती है। भारत, चीन और ब्राजील जैसे बड़े कृषि उत्पादक देशों पर इसका सीधा असर पड़ेगा। उर्वरकों की कमी से फसल उत्पादन घटेगा, जिससे खाद्यान्न की कीमतें बढ़ेंगी और गरीब वर्ग पर सबसे ज्यादा मार पड़ेगी। युद्ध का एक और बड़ा प्रभाव सप्लाई चेन पर पड़ता है। पहले ही कोविड-19 के दौरान वैश्विक आपूर्ति प्रणाली कमजोर हो चुकी है, और अब नए संघर्ष ने इसे और अस्थिर बना दिया है। समुद्री मार्गों में बाधा, ऊर्जा सुविधाओं पर हमले और व्यापारिक अनिश्चितता ये सभी कारक मिलकर वैश्विक व्यापार को धीमा कर रहे हैं। यदि यह स्थिति लंबी चली, तो दुनिया को खाद्य वस्तुओं की कमी और महंगाई के दोहरे संकट का सामना करना पड़ सकता है। इसका ताजा उदाहरण शेयर बाजार में आई भारी गिरावट है। 19 मार्च को सेंसेक्स में 2497 अंकों की गिरावट और निफ्टी में 776 अंकों की गिरावट ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। एक ही दिन में लगभग 13 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति का नुकसान इस बात का संकेत है कि बाजार में भय का माहौल है। जब निवेशक जोखिम से बचने के लिए शेयर बेचने लगते हैं, तो पूंजी सुरक्षित ठिकानों की ओर भागती है, जिससे आर्थिक गतिविधियां और धीमी पड़ती हैं। हालांकि, इस संकट के बीच कूटनीतिक प्रयास भी जारी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ओमान के सुल्तान और मलेशिया के प्रधानमंत्री से बातचीत कर तनाव कम करने की कोशिश की है, लेकिन सवाल यह है कि क्या ये प्रयास पर्याप्त होंगे? इतिहास गवाह है कि जब तक वैश्विक शक्तियां एकजुट होकर निर्णायक हस्तक्षेप नहीं करतीं, तब तक ऐसे संघर्ष लंबे खिंचते हैं। यदि समय रहते इस आग को नहीं बुझाया गया, तो इसके दुष्परिणाम भयावह हो सकते हैं। महंगाई, बेरोजगारी, खाद्य संकट और आर्थिक मंदी ये सभी मिलकर वैश्विक अस्थिरता को जन्म देंगे। अंततः सबसे ज्यादा नुकसान उन गरीब और विकासशील देशों को होगा, जो पहले से ही संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं।

सहकारिता
प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

महिलाओं के सहकारी नेतृत्व से बदलता देश

भारत सरकार ने सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के साथ इतने उपक्रम को अपनाया है कि उससे भारतीय सहकारिता क्षेत्र से जुड़ी महिलाएं कभी पीछे मुड़कर नहीं देखेंगी। भारत आज नेतृत्व, आर्थिक भागीदारी, सरकारी सहयोग, क्षेत्रीय सक्रियता, सामाजिक प्रभाव के अध्ययन व सशक्तिकरण की निति व नीतिगत बदलाव के लिए कार्य कर रहा है। इसमें अभिरुचि एवं अवसर दोनों बहुत मायने रखते हैं। यदि इनका समन्वय हो सका तो नि:संदेह आने वाला सहकारिता इतिहास स्त्रियों के नेतृत्व से परिपूर्ण दिखेगा और भारत तेजी से बदलता हुआ दिखेगा भी। आवश्यकता इस बात की है कि हम समय की पहचान करके सही दिशा में अपनी ऊर्जा को लगाएं।

अधिकार, न्याय व कार्रवाई थीम पर केंद्रित इस वर्ष का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सुर्खियों में रहा है क्योंकि संयुक्त राष्ट्र दस दिन तक विश्व की महिलाओं के साथ उत्साहपूर्ण वातावरण में खूब बातें कर रहा है। यूएन महासभा अध्यक्ष ऐनालेना बेयरबॉक का मानना है कि जब लड़कियां शिक्षा प्राप्त करती हैं तो अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ती है, जब महिलाएं कार्यबल में शामिल होती हैं तो उत्पादकता बढ़ती है और जब शान्ति वार्ताओं में महिलाएं शामिल होती हैं तो शान्ति समझौते अधिक समय तक टिकाऊ साबित होते हैं। भारत में महिलाओं के शैक्षणिक बदलाव हो रहे हैं लेकिन जो कम पढ़ी-लिखी महिलाएं हैं, उन्होंने भी सहकारिता से जुड़कर भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने का कार्य किया है। सहकार से समृद्धि की मिसाल पेश करतीं हमारे देश की महिलाओं का आत्मबल व आत्मविश्वास दोनों बहुत ही मजबूत है। राष्ट्रीय नई सहकारिता नीति एक विजन, एक मिशन के साथ आगे बढ़ चुकी है।

भारत सरकार ने सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के साथ इतने उपक्रम को अपनाया है कि उससे भारतीय सहकारिता क्षेत्र से जुड़ी महिलाएं कभी पीछे मुड़कर नहीं देखेंगी। छः रणनीतिक मिशन जिसमें नींव का सशक्तिकरण करने का संकल्प है, इसके अंतर्गत सहकारी आंदोलन की नींव को और भी मजबूत करने की कोशिश है। जीवंतता को प्रोत्साहित करने का संकल्प है जिसके अंतर्गत जीवंत और आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र का सृजन होगा। तीसरा, सहकारी समितियों को भविष्य के लिए तैयार करने की कोशिश, जिसमें सहकारी समितियों को पेशेवर और सतत आर्थिक इकाइयों में रूपांतरित किया जाएगा। चौथा समावेशिता को बढ़ावा देकर पहुंच का विस्तार प्रदान करने के लिए सहकार आधारित समावेशी विकास और सहकारी समितियों को जन आंदोलन के रूप में प्रोत्साहित करने पर बल है। साथ ही नए और उभरते क्षेत्रों में विस्तार हो, इसके लिए ऐसी योजना है कि सहकारी समितियों के नए और उभरते क्षेत्रों में विस्तार को प्रोत्साहित किया जाए। सबसे अहम संकल्प यह है कि सहकारी विकास के लिए युवा पीढ़ी को तैयार करने को प्रोत्साहन मिले, जिसका उद्देश्य है कि युवा पीढ़ी को प्रेरित कर उन्हें अनुभवजन्य सहकारी ज्ञान प्रदान करके भारत निर्माण में उन्हें जोड़ा जाए। यह न केवल ग्रामीण सहकारी परिवेश से उनके जुड़ाव को विकसित करेगा बल्कि गांव की संस्कृति से भागते युवाओं को पुनः गांव से जोड़ने का कार्य करेगा। स्त्री युवा शक्ति इसमें सबसे ज्यादा लाभान्वित होने वाली हैं, यह तो तय है। । इसका उल्लेख अब पूरे विश्व में हो रहा है। एनडीडीबी से जुड़ी स्त्रियों की सफलता की कहानियां अब शोध और अध्ययन का हिस्सा बनने जा रही हैं। भारतीय सहकारिता आन्दोलन को देखकर आज कुछ ऐसा ही स्पष्ट हो रहा है कि भारत सरकार कितनी जागरूकता के साथ सहकारिता क्षेत्र से जुड़ी व्यवस्था, लोग और खासकर स्त्री-शक्ति-सशक्तिकरण पर कार्य कर रही है।

यह इसलिए कहा जा सकता है क्योंकि अगर बहुत संजीदगी से देखा जाए तो विभिन्न विश्लेषण बताते हैं कि सरकार डेयरी, कृषि, हस्तशिल्प और ग्रामीण उद्यमों जैसे क्षेत्रों में महिलाओं के नेतृत्व वाली सहकारी समितियों के गठन और सशक्तिकरण को प्रोत्साहित कर अन्य मंत्रालयों के साथ मिलकर विभिन्न संस्थानों और

योजनाओं के माध्यम से क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता की सुविधा प्रदान करने की कोशिश कर रही है। श्वेत क्रांति 2.0 ने तो मानों देश में एक नई आर्थिक समृद्धि की ओर बढ़ने को तत्पर है। ऐसा सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि डेयरी क्षेत्र को मजबूत करने और महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 46,422 मौजूदा डेयरी सहकारी समितियों के सशक्तिकरण के अलावा, 75,000 नई डेयरी सहकारी समितियों की स्थापना को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया। डेयरी सहकारी समितियां महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, रोजगार सृजन और ग्रामीण आजीविका बढ़ाने की दिशा में इससे बढ़ चुकी हैं। राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम-एनसीडीसी ने भी महिला केंद्रित योजनाएं शुरू की हैं जिसमें स्वयं शक्ति सहकार योजना, नंदिनी सहकार योजना एवं युवा सहकार योजनाओं ने तो आमूलचूल परिवर्तन करने का बीड़ा उठाया है।

स्वयं शक्ति सहकार योजना से एक तरफ आय सृजन कार्यकलापों, उद्यमिता विकास और महिला एसएचजी की क्षमता निर्माण होगा, वहीं दूसरी तरफ वित्तीय सहायता प्रदान करके महिला सहकारी समितियों को बढ़ावा मिलेगा और स्त्रियां सशक्त होंगी। नंदिनी सहकार योजना से डेयरी, पशु पालन, खाद्य प्रसंस्करण और अन्य संबद्ध क्षेत्रों जैसे कार्यकलापों में लगी महिलाओं के नेतृत्व वाली सहकारी समितियों को वित्तीय सहायता मिलेगी तो इससे सहकारी उद्यमों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने वाली है। युवा महिला उद्यमियों को एनसीडीसी के माध्यम से वित्तीय सहायता और समर्थन मिलेगा। उभरते और अभिनव क्षेत्रों में सहकारी उद्यमों की स्थापना होने से प्रबंधन में प्रोत्साहित होंगी। चीन की राजधानी बीजिंग में वर्ष 1995 में दुनिया के देशों ने एक साथ आकर एक घोषणापत्र बीजिंग प्लेटफ़ॉर्म को पारित किया था, जिसे महिला अधिकारों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण दस्तावेज़ माना जाता है। इस पड़ाव के 30 वर्ष पूरे हो चुके हैं। आर्थिक उन्नति, समावेशिता और उन्नत स्वास्थ्य के साथ पूर्णतया प्रतिभागिता को यह सम्मेलन संबोधित करता है. भारत में सहकारिता क्षेत्र में कार्य कर रही स्त्रियों को देखा जाए तो यह कहा जा सकता है कि यह सहकारिता आन्दोलन बीजिंग घोषणापत्र का भी सम्मान क्षेत्र है. भारत में सशक्तिकरण अब एक नारा नहीं है अपितु सशक्तिकरण की मिसाल है सहकारिता।

भारतीय स्त्रियां जो सहकारिता क्षेत्र अब पढ़-लिखकर व शोध करके आने वाले समय में भारत के लिए कार्य करने वाली हैं, उसकी गाथा आने वाले वर्षों में शोध का विषय होंगी। यह एक ऐतिहासिक बदलाव है जिसे भारत सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ अमित शाह के नेतृत्व में अर्जित कर रही है क्योंकि उनकी इच्छाशक्ति और कार्य को मूर्तरूप प्रदान करने की निराने शक्ति दोनों स्पष्ट है। भारतीय सामाजिक ताने-बाने के बीच अपनी जिंदगी संवारतीं महिलाओं के सशक्तिकरण की यह सहकारिता यात्रा भारत के बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। भारत की महिलाओं के बहुत से ऐतिहासिक उपलब्धियों की कहानियां प्रचलित हैं लेकिन विगत कुछेक वर्षों में सहकारिता से सशक्त स्त्री का इतिहास आने वाले समय में प्रेरणा का विषय बनने जा रहा है। भारत आज नेतृत्व, आर्थिक भागीदारी, सरकारी सहयोग, क्षेत्रीय सक्रियता, सामाजिक प्रभाव के अध्ययन व सशक्तिकरण की निति व नीतिगत बदलाव के लिए कार्य कर रहा है। इसमें अभिरुचि एवं अवसर दोनों बहुत मायने रखते हैं। यदि इनका समन्वय हो सका तो निःसंदेह आने वाला सहकारिता इतिहास स्त्रियों के नेतृत्व से परिपूर्ण दिखेगा और भारत तेजी से बदलता हुआ दिखेगा भी। आवश्यकता इस बात की है कि हम समय की पहचान करके सही दिशा में अपनी ऊर्जा को लगाएं।

(लेखक केंद्रीय विवि पंजाब में वेयर प्रोफेसर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

गौरैया दिवस
सुनील कुमार महला

चिरैया का संरक्षण मानवता के सुरक्षित भविष्य की गारंटी

प्रतिवर्ष 20 मार्च को 'विश्व गौरैया दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य गौरैया तथा अन्य छोटे पक्षियों के संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, उनकी निरंतर घटती संख्या के कारणों को समझाना, जैव-विविधता (बायो-डायवर्सिटी) के महत्व को रेखांकित करना तथा लोगों को पेड़-पौधे लगाने, कृत्रिम घोंसले बनाने और पक्षियों के लिए दाना-पानी उपलब्ध कराने जैसे व्यावहारिक कदम उठाने के लिए प्रेरित करना है। इस दिवस की शुरुआत वर्ष 2010 में भारत की संस्था नेचर फोरएवर सोसायटी द्वारा की गई थी। एक समय था जब घर-आंगन में गौरैया की चहचहाहट हमारे सामान्य जीवन का हिस्सा हुआ करती थी, किंतु बदलती जीवनशैली, पक्के मकानों के बढ़ते चलन और घटते हरित क्षेत्र के कारण आज इनकी संख्या में भारी गिरावट देखी जा रही है और इसका सीधा व प्रत्यक्ष प्रभाव हमारे पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र (इको सिस्टम) पर पड़ रहा है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज बढ़ती आबादी, तीव्र शहरीकरण, औद्योगीकरण, कंक्रीट के जंगलों का विस्तार, ध्वनि, जल तथा वायु प्रदूषण, मोबाइल टावरों से निकलने वाला विकिरण, वनों की अंधाधुंध कटाई, प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन, कीटनाशकों और रसायनों का अत्यधिक उपयोग तथा कृषि में तकनीकी बदलाव जैसे अनेक कारण गौरैया के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा बन चुके हैं। वास्तव में, छोटे पक्षी विशेष रूप से ध्वनि प्रदूषण को सहन नहीं कर पाते, वहीं टावरों से निकलने वाली तरंगें उनकी प्रजनन क्षमता पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं।

इतना ही नहीं, आधुनिक इंधनों में प्रयुक्त रसायन जैसे बेंजीन और मिथाइल तृतीयक ब्यूटाइल ईथर उन कीटों को नष्ट कर देते हैं, जिन पर गौरैया के बच्चे निर्भर रहते हैं। उद्यानों में कीटनाशकों और शाकनाशियों के अत्यधिक उपयोग से भी कीटों की संख्या में कमी आई है, जिससे इनके भोजन का संकट उत्पन्न हो गया है। शहरी क्षेत्रों में पारंपरिक घोंसला स्थलों की कमी, कांच से बनी बंद इमारतों का बढ़ता प्रचलन तथा उपयुक्त भोजन की अनुपलब्धता इनके प्रजनन को लगातार प्रभावित कर रही है। बदलती वास्तुशैली और सांस्कृतिक परिवर्तनों ने इनके आवास और खाद्य स्रोतों को लगभग समाप्त कर दिया है। बहरहाल, यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार भारत में घरेलू गौरैया की संख्या में लगभग 60 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई है। पक्षियों के संरक्षण के लिए रॉयल सोसाइटी (रॉयल सोसाइटी फोर दि प्रोटेक्शन ऑफ बर्ड्स) ने इसे अपनी रेड-लिस्ट में शामिल किया है। गौरतलब है कि विश्व में गौरैया की लगभग 26 प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से 5 भारत में मिलती हैं। यह बिहार का राज्य पक्षी है तथा वर्ष 2012 में इसे दिल्ली का राज्य पक्षी घोषित किया गया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आइसीएआर) के अनुसार आंध्र प्रदेश में इसकी संख्या में 80 प्रतिशत तक कमी आई है, जबकि केरल, गुजरात और राजस्थान में लगभग 20 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई है। 'स्टेट ऑफ इंडियाज बर्ड्स' रिपोर्ट के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में इसकी संख्या अपेक्षाकृत स्थिर बनी हुई है, जबकि महानगरों में 70 से 80 प्रतिशत तक गिरावट देखी गई है। गौरैया पासेरीडे परिवार की एक सामाजिक और सर्वाहारी पक्षी है, जो झुंड में रहना पसंद करती है। यह मुख्यतः बीज, कीड़े, जामुन और फल खाती है। इसकी सामान्य उड़ान गति लगभग 24 मील प्रति घंटा होती है, जो खतरे की स्थिति में 31 मील प्रति घंटा (लगभग 45 किलोमीटर प्रति घंटा) तक पहुंच सकती है। इसकी औसत आयु 4 से 5 वर्ष होती है। यह दीवारों, पेड़ों के कोटरों, झाड़ियों, पुराने घरों, रोशनदानों और खिड़कियों में घोंसला बनाती है। नर गौरैया अपने घोंसले की रक्षा आक्रामक रूप से करता है और यह पक्षी सामान्यतः जीवनभर एक ही साथी के साथ रहने की प्रवृत्ति रखता है, जो इसकी वफादारी को दर्शाता है। पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में गौरैया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह अल्फा और कटवर्म जैसे हानिकारक कीटों को खाकर फसलों की रक्षा करती है, इसलिए इसे किसानों का मित्र कहा जाता है। अंततः, गौरैया संरक्षण के लिए किसी बड़े निवेश की आवश्यकता नहीं है, बल्कि छोटे-छोटे प्रयास ही पर्याप्त सिद्ध हो सकते हैं-जैसे घरों में दाना-पानी रखना, मिट्टी के बर्तनों (परिंडे) का उपयोग करना, पौधे लगाना, कृत्रिम घोंसले बनाना तथा पर्यावरण संरक्षण को अपनी जीवनशैली का अभिन्न अंग बनाना। निष्कर्षतः, गौरैया केवल एक साधारण पक्षी नहीं, बल्कि पर्यावरण संतुलन की आधारशिला है; इसका संरक्षण मानवता के सुरक्षित और संतुलित भविष्य की गारंटी है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

साधना से ही मिलता है वास्तविक सुख

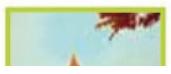

अधिकांश व्यक्ति आज भौतिक मूल्यों के उपासक बन गए हैं। इस कारण जीवन के धर्म एवं मर्म को भुला बैठे हैं। उनकी इस उपासना ने दुनिया के बाह्य जगत को बड़ा सुहावना, लुभावना और आकर्षक बना दिया है। जबकि वास्तविक सुख आंतरिक सौंदर्य, अंतर्जगत की जागृति एवं अंतर्यात्रा से ही संभव है। भौतिक आकर्षण के पीछे मनुष्य दौड़ रहा है। यदि

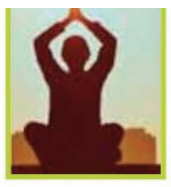

संकलित
दर्शन

वह क्षण भर रुककर गंभीरता से सोचे तो उसे पता चलेगा कि यह सब भ्रम जाल है। जीवन वह नहीं, जिसे वह जी रहा है। संत एकनाथ ने कहा है कि धन जोड़कर भक्ति का दिखावा करने से कोई लाभ नहीं, क्योंकि ऐसा करने से मन में वासना और भी बढ़ जाएगी और जिनका चित्त वासना में फंसा हुआ है, उन्हें अंतरात्मा के दर्शन कैसे हो सकते हैं। वास्तविक सुख पाने के लिए व्यक्ति भक्ति यानी साधना की ओर प्रवृत्त होता है। स्थायी सुख की प्राप्ति भक्ति पर ही निर्भर है। भक्ति से मन को वश में करना है और मन को वश में करने का सरल उपाय है उसे परमात्मा के हेतु निरंतर भले कार्यों में लगाए रखना। महात्मा गांधी ने प्रेमा बहन के नाम लिखे पत्र में लिखा है-जो लोग कृष्ण-कृष्ण कहते हैं वे उसके पुजारी नहीं हैं। जो उनका काम करते हैं, वे ही पुजारी हैं। रोटी-रोटी कहने से पेट नहीं भरता, अपितु रोटी खाने से ही भरता है। मन को वश में लाने का अभ्यास अनेक प्रकार का होता है। इन अभ्यासों को ही भक्ति यानी साधना कहा गया है। जिस व्यक्ति ने स्वयं को शांति-अशांति, मान-अपमान और सुख-दुख से निर्लिप्त बना लिया है, वही निर्विघ्न शांति में स्थित रह सकता है।

अच्छी बातें जीवन में उतारने पर ही लाभ मिलेगा

द्वापर युग में द्रोणाचार्य को भीष्म पितामह ने कौरव और पांडव राजकुमारों का गुरु बना दिया था। एक दिन द्रोणाचार्य ने सभी राजकुमारों को एक पाठ दिया और कहा कि कल इस पाठ को आत्मसात करके आना है। आत्मसात शब्द का अर्थ है जीवन में, अपने आचरण में उतारना। अगले दिन सभी राजकुमार गुरु के आश्रम में पहंच गए। पढ़ाई

संकलित
प्रेरणा

शुरू हुई तो द्रोणाचार्य ने पूछा कि कौन-कौन कल का पाठ याद करके आया है? युधिष्ठिर को छोड़कर बाकी सभी राजकुमारों ने कह दिया कि हमने ये पाठ याद कर लिया है। गुरु ने युधिष्ठिर से पूछा कि तुमने पाठ याद क्यों नहीं किया है? युधिष्ठिर ने कहा कि मैंने अभी तक ये पाठ आत्मसात नहीं किया है। ये बात सुनकर द्रोणाचार्य हैरान थे। कुछ देर सोचकर गुरु ने कहा कि ठीक है कल याद करके आना। इसके बाद दस दिन बीत गए, लेकिन युधिष्ठिर को वो पाठ अब तक याद नहीं हुआ था। जबकि अन्य राजकुमार युधिष्ठिर से 10 पाठ आगे पहुंच गए थे। द्रोणाचार्य ने युधिष्ठिर से पूछा कि आखिर बात क्या है। युधिष्ठिर ने कहा कि गुरुदेव, जैसे मेरे भाइयों ने ये पाठ याद किया है, वैसे तो मुझे याद है, लेकिन आपने कहा था कि इस पाठ को आत्मसात करना है। आपने सत्य को जीवन में उतारने का पाठ दिया था और मैं सत्य को जीवन में उतार नहीं पा रहा हूं। जब तक मैं इसे आत्मसात नहीं कर लूंगा, जब तक मैं सत्य को जीवन में नहीं उतार लूंगा, तब तक मैं इससे आगे नहीं बढ़ पाऊंगा।

सटाका

आज की पाती

वनों को काटने से रोका जाए

21 मार्च को अंतरराष्ट्रीय वन दिवस मनाया जाता है। दुनिया भर में इस उपलक्ष्य में प्रोग्राम आयोजित किए गए। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वनों की सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 28 नवंबर 2012 को हर वर्ष 21 मार्च को अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के रूप में मनाने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया था। वन हैं तो हम हैं। जो वृक्ष हमें फल नहीं देते हैं, वो भी बहुत महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि ये हमें जीवित रहने के लिए ऑक्सीजन, बिना किसी मूल्य के देते हैं। लेकिन बहुत अफसोस है कि वनों की संभाल के लिए लापरवाही बरती जा रही है।भारत में बहुत पहले से ही वनों और वृक्षों को काटने से रोकने के प्रयास सरकारों, सामाजिक संस्थाओं और पर्यावरण प्रेमियों द्वारा आरंभ कर दिए गए थे। फिर भी परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर जंगल काटे जा रहे हैं। हमें इसे रोकना होगा। - राजीव शर्मा, हिसार

ट्रेंड

आत्मनिर्भर बने देश

भारत की रक्षा तैयारियों और सामरिक स्वायत्तता के लिए यह आवश्यक है कि देश ड्रोन निर्माण में पूरी तरह आत्मनिर्भर बने और आने वाले वर्षों में ड्रोन निर्माण का ग्लोबल हब बने।
- राजनाथ सिंह, रक्षामंत्री

207 नई बसें रवाना

राजस्थान दिवस पर प्रदेशवासियों के लिए यातायात सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़, सुरक्षित और आधुनिक बनाने हेतु 207 नई बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये बसें न केवल शहरों और गांवों के बीच की दूरी को कम करेंगी, बल्कि प्रदेश के विकास को भी नई दिशा प्रदान करेंगी।
- भजनलाल, सीएम, राजस्थान

गहरी संवेदना

मध्य प्रदेश के इंदौर में शार्ट सर्किट से घर में लगी आग से बिहार के 6 लोगों की मृत्यु दु:खद। शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना है। मृतकों के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से 2-2 लाख रुपये अनुग्रह अनुदान दिया जाएगा।
- नीतीश कुमार, सीएम, बिहार

चुनाव आयोग बना हथियार

बीजेपी ने बेईमानी से चुनाव जीतने के लिए चुनाव आयोग को अपना हथियार बना लिया है। जो आज पश्चिम बंगाल में हो रहा है, यही दिल्ली के चुनाव में भी हुआ था। लोकतंत्र की धज्जियाँ उड़ायी गईं। आज ममता भी लोकतंत्र को बचाने के लिए लड़ रही है। इस संघर्ष में हम उनके साथ है।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

करंट अफेयर

तुलसी गबार्ड ने खोल दी ट्रंप के दावे की पोल?

अमेरिका की इंटेलिजेंस चीफ तुलसी गबार्ड के एक बयान ने वॉशिंगटन की सियासत में हलचल मचा दी है। उनके इस खुलासे के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे पर सवाल उठने लगे हैं, जिसमें ईरान के न्यूक्लियर खतरे को जंग की बड़ी वजह बताया गया था। गाबार्ड ने सीनेट इंटेलिजेंस कमेटी के सामने अपने लिखित बयान में कहा कि 2025 में अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद ईरान ने अपने परमाणु संवर्धन (न्यूक्लियर एनरिचमेंट) कार्यक्रम को दोबारा शुरू करने की कोई कोशिश नहीं की है। तुलसी गबार्ड ने बताया कि ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के बाद ईरान का न्यूक्लियर प्रोग्राम पूरी तरह तबाह हो गया था और तब से उसे फिर से खड़ा करने की कोई गतिविधि सामने नहीं आई। यह बयान सीधे तौर पर ट्रंप प्रशासन के उस तर्क को कमजोर करता है, जिसमें बार-बार कहा गया कि ईरान का न्यूक्लियर कार्यक्रम अमेरिका के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है। ट्रंप और उनके अधिकारी लगातार यह कहते रहे हैं कि ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षा को रोकने के लिए सैन्य कार्रवाई जरूरी थी लेकिन गबार्ड के बयान के बाद बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि अगर ईरान ने अपना प्रोग्राम दोबारा शुरू ही नहीं किया, तो फिर जंग की जरूरत क्यों पड़ी?

ऑफ बीट

सप्ताह में 150 मिनट की शारीरिक गतिविधि जरूरी

व्यायाम आपके संपूर्ण स्वास्थ्य और विशेष रूप से आपके हृदय के लिए अच्छा है। विशेषज्ञों की राय है कि हमें सप्ताह में 150 मिनट की मध्यम-से-जोरदार शारीरिक गतिविधि करनी चाहिए।

शोधकर्ताओं ने पाया कि एक्सेलेरोमीटर मूल्यांकन के बाद छह वर्षों में, जो लोग नियमित रूप से मध्यम से जोरदार गतिविधि करते थे, उनमें गतिहीन लोगों की तुलना में स्ट्रोक, दिल का दौरा, दिल की विफलता और एट्रियल फाइब्रिलेशन कम था। इस अध्ययन का अनोखा निष्कर्ष यह था कि जिन लोगों ने अपनी आधी से अधिक गतिविधि सप्ताहांत में की, उनकी तुलना में उन लोगों के परिणामों में कोई अंतर नहीं था, जिन्होंने इसे पूरे सप्ताह में फैलाकर किया। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह कब किया गया था, मध्यम-जोरदार शारीरिक गतिविधि बेहतर हृदय स्वास्थ्य से जुड़ी थी। अध्ययन में, लेखकों ने उन लोगों को 'सप्ताहांत योद्धा' कहा, जिन्होंने सप्ताह में 150 मिनट से अधिक की मध्यम-से-जोरदार गतिविधि की। यह लाइक्रा पहने पहाड़ी रास्तों पर साइकिल की सवारी करते हुए या मध्यम आयु वर्ग के पुरुषों को 90 मिनट की कठिन फुटबॉल खेलने जैसा है।

एलपीजी संकट पर सरकार सरकार ने नागरिकों को दी सलाह

देश की सारी रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से काम कर रहीं, घरेलू एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध, लोग अफवाहों पर भरोसा न करें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पेट्रोलियम मंत्रालय के संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने अंतर मंत्रालयी प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि देश की सारी रिफाइनरी अपनी पूरी क्षमता में काम कर रही हैं। लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। घरों पर डिलेवरी सुनिश्चित हो रहीहै। उन्होंने कहा है कि घरेलू एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और हम लगातार उपभोक्ताओं से अपील कर रहे हैं, जहां भी संभव हो वे नेचुरल गैस अपनाने की ओर बढ़ें। इस संबंध में राज्य सरकारों को भी पत्र लिखे गए हैं। इस दिशा में पहल करने वाले राज्यों को अतिरिक्त 10 फीसदी एलपीजी मुहैया कराने का भरोसा भी दिया गया है।

सरकार ने कहा कि जहां भी संभव हो वे नेचुरल गैस अपनाने की ओर बढ़ें

पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव ने कहा- लोग अपने सिलेंडर की डोर स्टेप डिलिवरी का इंतजार करें

सभी राज्यों के पास सप्लाई उपलब्ध

13700 से अधिक कनेक्शन दिए गए हैं और 7500 से अधिक लोग एलपीजी से पीएनजी पर शिफ्ट हुए हैं। ऑनलाइन बुकिंग्स में लगभग 93 फीसदी की बुकिंग ऑनलाइन है। उनकी डिलिवरी की जा रही है। पैनिक बुकिंग कम हुई है। गुरुवार को 55 लाख बुकिंग हुई है। सभी राज्यों के पास सप्लाई उपलब्ध है। पिछले एक हफ्ते में 11300 टन कमर्शियल एलपीजी उपभोक्ताओं को दी गई है। इस सप्लाई का 50 प्रतिशत शिक्षण संस्थाओं और अस्पतालों को मिला है।

32 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में कंट्रोल रूम सेटअप किए

लगभग 32 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में कंट्रोल रूम सेटअप किए गए हैं। जिला निगरानी समिति भी काम कर रहे हैं। 24 घंटों में लगभग 4500 जगहों पर छापेमारी की गई है। उत्तर प्रदेश में करीब 1100 जगहों पर छापेमारी की गई है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने भी 1800 जगहों पर सरप्राइस इंस्पेक्शन किया है। एलपीजी के बारे में यही कहना है कि स्थिति अब भी चिंताजनक है, लेकिन उपभोक्ता अफवाहों पर ध्यान न दें।

योजना बनाने में मिलेगी मदद

पीपीएसी का काम वैसे भी तेल और गैस क्षेत्र से जुड़े आंकड़े जुटाना है, लेकिन अधिसूचना के बाद अब उसे रियल टाइम में डेटा एकत्र करने का अधिकार मिल गया है? इनसे सरकार को आपात स्थिति में अपनी योजना बनाने में मदद मिलेगी। कहा गया है कि आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत आदेश का उल्लंघन आपराधिक होगा।

कंपनियों को देना होगा एक-एक बूंद का हिसाब

पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण चल रही वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच सरकार ने देश में आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू कर दिया है। इसके तहत अब उन सभी संस्थाओं को अपना डाटा शेयर करना होगा, जो पेट्रोलियम उत्पादों और प्राकृतिक गैस के उत्पादन, प्रसंस्करण, शोधन, भंडारण, परिवहन, आयात, निर्यात, विपणन, वितरण और उपभोग में लगी हैं। इन कंपनियों को हर आंकड़े की जानकारी पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ को देना अनिवार्य कर दिया गया है। मामले से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3 के तहत गजट अधिसूचना जारी कर दी है।

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगांव जिला सूरजपुर (छ०ग०)

//ईश्तहार//

रा०प्र० क्रमाक..ब-121/2025-26

आम जनता ग्राम धरतीपारा को सूचित किया जाता है कि आवेदिका नोहरी बाई पिता महिपत जाति कुम्हार निवासी ग्राम धरतीपार तहसील भटगांव जिला सूरजपुर छ०ग० द्वारा स्वंम का जन्म दिनांक 15/02/1993 को ग्राम धरतीपार में जन्म होना बताकर जन्म प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत मय आवेदन, शपथ पत्र, वार्ड का पंचनामा, आधार कार्ड की छाया प्रति सहित स्थानीय रजिस्ट्रार (जन्म / मृत्यु) का रजिस्ट्रीकरण (मध्यप्रदेश) निगम 1969 के नियम 10 (13) के अन्तर्गत निर्देश देने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त जन्म प्रमाण पत्र जारी करने के संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था कोई आपत्ति हो तो दिनांक 02/04/2026 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय ने अपना अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि बाद प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नही किया जावेगा। तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। आज दिनांक 17/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार एवं
कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भटगांव

बंगाल चुनाव के लिए तृणमूल कांग्रेस ने चुनावी घोषणा पत्र जारी किया

सामान्य वर्ग की महिलाओं को 1500 तो एससी एसटी को मिलेंगे 1700, बेरोजगारों को 1500 रु.

सीएम ममता ने कहा- 'लक्ष्मी भंडार' योजना के तहत दी जाएगी यह राशि

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

भाजपा यहां सत्ता में वापस नहीं आ पाएगी

पश्चिम बंगाल चुनावों के लिए राज्य की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने अपना चुनावी घोषणा पत्र जारी कर दिया है। 'दीदी के 10 वचन' नाम से चुनावी वादों का ऐलान करते हुए मुख्यमंत्री और टीएमसी की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने महिलाओं और बेरोजगारों के लिए मासिक भत्ते का ऐलान किया है। ममता ने कहा है किसामान्य वर्ग की महिलाओं को हर महीने 1,500 मिलेंगे, जबकि एससी-एसटी वर्ग की महिलाओं को हर महीने 1,700 रुपए मिलेंगे। जो युवा बेरोजगार हैं, उन्हें पॉकेट मनी के तौर पर हर महीने 1,500 रुपए मिलेंगे। ममता ने कहा कि घोषणापत्र का मुख्य आधार दीदी के 10 वादे हैं, जो कल्याण और विकास के वादों का एक मिला-जुला रूप हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी ने 'लक्ष्मी भंडार' योजना के तहत मिलने वाली सहायता राशि में 500 रुपये की बढ़ोतरी करने का वादा किया है।

घोषणा पत्र जारी करती सीएम ममता और अभिषेक

घोषणा पत्र में दीदी ने दिए 10 वचन

कोलकाता में ममता और टीएमसी सांसद अभिषेक समेत तमाम नेताओं की मौजूदगी में घोषणा पत्र जारी किया गया है। ममता ने कहा कि हम कई साजिशें देखते हैं, लेकिन इस बार तो सारी हदें पार हो गई हैं। इस चुनाव के बाद परिसीमन होगा, लेकिन मोदी सरकार सत्ता में वापस नहीं आएगी।

'बांग्लार युवा-साथी' से देंगे बेरोजगारी भत्ता

उन्होंने कहा कि पार्टी 'बांग्लार युवा-साथी' योजना के तहत बेरोजगार युवाओं को दिया जाने वाला 1,500 रुपए के मासिक भत्ते को जारी रखेगी। राज्य में अगली सरकार बनने पर किसानों (जिनमें भूमिहीन किसान भी शामिल हैं) की सहायता के लिए 30,000 करोड़ रुपए का कृषि बजट पेश किया जाएगा।

भाजपा के खिलाफ लड़ें

ममता ने कहा कि मैं बंगाल के लोगों से अपील करती हूं कि वे एकजुट हों और बंगाल को बचाने के लिए भाजपा के खिलाफ लड़ें। इस घोषणापत्र को जनता-केंद्रित रोडमैप बताते हुए बेनर्जी ने कहा कि पार्टी के वादों का मकसद उस चीज का मुकाबला करना है।

वे बंगाल से ईर्ष्या कर कर रहे

सीएम ममता ने कहा कि यहां पर्यवेक्षक के तौर पर तैनात लोगों को न तो इस क्षेत्र की जानकारी है, न ही राज्य की। उन्हें राज्य के बारे में कुछ भी पता नहीं है। वे अपना कर्तव्य कैसे निभा सकते हैं? राष्ट्रपति शासन की जगह अघोषित राष्ट्रपति शासन लागू हो गया है। क्योंकि भाजपा जानती है कि आगामी विधानसभा चुनावों में उसे हार का सामना करना पड़ेगा। मोदी जी, आप यहां अघोषित राष्ट्रपति शासन के तहत चुनाव लड़ रहे हैं क्योंकि वे बंगाल से ईर्ष्या करते हैं। उन्होंने पूरी व्यवस्था को ही उलट-पुलट कर दिया है।

बंगाल में 'दुआरे चिकित्सा' की करेंगे शुरुआत, शिविर लगेंगे

ममता ने बताया कि हम 'दुआरे चिकित्सा' (घर-घर जाकर चिकित्सा सेवा) शुरू करेंगे। हम इसे हर बूथ पर शुरू करेंगे, हम 'दुआरे चिकित्सा' शिविरों का आयोजन करेंगे।' उन्होंने कहा कि हजारों स्कूलों को ई-लर्निंग सुविधाओं से आधुनिक बनाया जाएगा। आने वाले दिनों में हम सात-आठ नए जिले, ब्लॉक और यहां तक कि नई नगरपालिकाएं भी बनाएंगे।

बंगाल में आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के तबादले पर तकरार

चुनाव आयोग के खिलाफ हाई कोर्ट पहुंची टीएमसी

तृणमूल कांग्रेस ने बंगाल में विधानसभा चुनावों की घोषणा के तुरंत बाद कई भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों के तबादले के निर्वाचन आयोग के आदेश को चुनौती देते हुए शुक्रवार को कोलकाता हाई कोर्ट का रुख किया। तृणमूल कांग्रेस के नेता एवं वरिष्ठ वकील कल्याण बनर्जी ने इस मामले में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पक्षकार प्रतिवादी बनाया है।

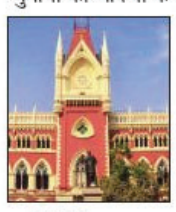

राज्य सरकार से आयोग ने नहीं किया परामर्श

वकील ने मुख्य न्यायाधीश सुजय पाल की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष मामले का उल्लेख करते हुए याचिका पर शीघ्र सुनवाई किए जाने का अनुरोध किया। याचिका में तबादले का निर्णय लिए जाने से पहले निर्वाचन आयोग के राज्य सरकार से परामर्श नहीं करने पर सवाल उठाए गए हैं। चुनावों की घोषणा के कुछ ही घंटों में आयोग ने मुख्य सचिव, गृह सचिव और डीजीपी सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ आईएएस और आइपीएस अधिकारियों का स्थानांतरण कर दिया था।

हिमाचल में भारी बारिश-बर्फबारी

हिमखंड गिरा, 3 नेशनल हाईवे समेत राज्य की 100 सड़कें बंद

एजेंसी ▶▶ शिमला

हिमाचल प्रदेश में ऑरेंज अलर्ट के बीच शुक्रवार को भी ऊंचे क्षेत्रों में बर्फबारी और निचले में झमाझम बारिश हुई। शुक्रवार को धौलाधार, रोहतांग दर्रा और पांगी-भरमौर की ऊंची चोटियों पर बर्फबारी का दौर जा रहा। लाहौल के बारालाचा, कुंजम, शिंकुला दर्रा सहित घेपन पीक, सीबी रेंज की पहाड़ी पर 70 से 80 सेंटीमीटर बर्फबारी का अनुमान है। अटल टनल रोहतांग में करीब 90 सेंटीमीटर तक ताजा बर्फबारी हुई है। शिमला जिले के कुफरी, नारकंडा और किन्नौर के छितकुल, कल्पा समेत कई क्षेत्रों में भी बर्फबारी हुई है। राजधानी शिमला, कांगड़ा, मंडी, चंबा, हमीरपुर और ऊना में दिन भर बारिश रही। राजधानी शिमला में 2 दिन से बारिश जारी है। हिमाचल में पांच दिन से बारिश-बर्फबारी का दौर चल रहा है।

छाया अंधेरा फसलें तबाह

मनाली-केलांग सड़क बंद होने से लाहौल का संपर्क कट गया है। लाहौल में बिजली भी ठप है नालागढ़ में बारिश से गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचा है। भरमौर-पांगी की ऊपरी चोटियों में 30.48 सेमी तो भरमौर मुख्यालय 7.62 सेमी ताजा बर्फबारी हुई। कांगड़ा जिले में बारिश से खड्डों-नालों में पानी का जल स्तर बढ़ गया।

पीएम विकसित भारत रोजगार योजना का उठाये लाभ

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने अवगत कराया है कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी द्वारा भारत सरकार की महत्वाकांक्षी पी एम विकसित भारत रोजगार योजना के अंतर्गत पंजीकरण की अवधि 01 अगस्त 2025 से 31 जुलाई 2027 तक निर्धारित की गई है।

पहाड़ी दरकने से कई मार्ग अवरुद्ध

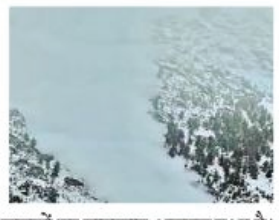

त्रिलोकनाथ जीरो पॉइंट से करीब डेढ़ किलोमीटर आगे वामतट की पहाड़ी से हिमखंड चिनाब नदी पर गिरा। इससे नदी का बहाव तकरीबन एक घंटे के लिए पूरी तरह से झील में बदला रहा। बर्फबारी और बारिश से तीन एनएच मनाली-केलांग, आनी कुल्लू और रामपुर-किन्नौर समेत 100 सड़कों पर यातायात अवरुद्ध हुआ है। मनाली-केलांग अटल टनल रोहतांग, आनी-कुल्लू जलोड़ी जोत में 45 सेंटीमीटर बर्फबारी होने से बंद है। जबकि रामपुर-किन्नौर एनएच नाथपा में पहाड़ी दरकने से बंद हो गया है।

I KIRAN GARG W/O VISHNU PRATAP AGRAWAL R/O VIVEKANAND WARD NO-35, SETH BASANT LAL MARG, AMBIKAPUR, SURGUJA, CHHATTISGARH-497001 HAVE CHANGED MY NAME TO KIRAN DEVI AGRAWAL

I VISHNU PRATAP GARG S/O CHANDGI RAM AGRAWAL R/O VIVEKANAND WARD NO-35, SETH BASANT LAL MARG, AMBIKAPUR, SURGUJA, CHHATTISGARH- 497001 HAVE CHANGED MY NAME TO VISHNU PRATAP AGRAWAL

केरलम में राहुल ने कहा

अब जनता को यूडीएफ पर पूरा भरोसा, वामपंथ की विदाई तय

एजेंसी ▶▶ केरलम

यहां चुनावी हलचल के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि केरल के लोग अब बदलाव के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने राज्य में यूडीएफ की सरकार बनाने की वकालत की और वामपंथी सरकार की विदाई को तय बताया। एक्स पर एक पोस्ट में लिखा 'टीम यूडीएफ ही टीम केरलम है।' हर उम्मीदवार केरलम के लोगों की आवाज, उनकी उम्मीदों और उनके भरोसे को दर्शाता है। मेरे लिए केरलम एक घर की तरह है और वहां के लोग मेरा परिवार हैं। केरल के लोगों ने मुझे जो कुछ भी सिखाया है। उसके लिए मैं उनका कर्जदार हूं। केरलम से मिलने वाला संदेश बिल्कुल साफ है। लोग बदलाव को तैयार हैं। वे एक ऐसी सरकार की तलाश में हैं जो उनकी समस्याओं को समझे और ईमानदारी के साथ काम करके दिखाए।

रिटर्न फाइल करना हो गया आसान

केंद्र ने आयकर नियम 2026 के लिए अधिसूचना जारी की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को आयकर नियम, 2026 के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। इससे नए आयकर अधिनियम 2025 के लिए मंच तैयार होगा, जो कि 1 अप्रैल से लागू होने वाला है, जिसमें पारदर्शिता, अधिक सख्त डिस्क्लोजर और बेहतर अनुपालन पर ध्यान केंद्रित किया गया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने ई-राजपत्र में आयकर नियमप्रकाशित किए हैं, जो पूर्ववर्ती प्रावधानों का स्थान लेते हैं और आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए एक विस्तृत ढांचा निर्धारित करते हैं। इसका उद्देश्य प्रोसेस को आसान करना और कैपिटल गेन, स्टॉक मार्केट लेनदेन और एनआरआई टैक्स से जुड़े रिपोर्टिंग स्टैंडर्ड को सख्त करना है। इसमें कर प्रणाली को आधुनिक बनाने के प्रयास हैं।

संघ के विदर्भ प्रांत कार्यालय का संघ प्रमुख ने किया शिलान्यास

डॉ. भागवत ने दी सीख

दुनिया में चल रहे युद्ध को भारत खत्म कराने में सक्षम, पर स्वार्थ त्यागना होगा

एजेंसी ▶▶ विदर्भ

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को विश्व हिंदू परिषद के विदर्भ प्रांत के कार्यालय का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि इस समय दुनिया में कई युद्ध चल रहे हैं। इन्हें भारत ही रोक सकता है। दुनिया के चिंतकों के ध्यान में यह बात आती है कि चल रहे युद्ध में बार-बार देश से आवाज उठ रही है। डॉ. भागवत ने कहा कि सनातन धर्म का उत्थान ईश्वर इच्छा है। सारी परिस्थिति हमारे सामने है। युद्ध की वजह स्वार्थ है और कुछ नहीं है।

भारत की प्रवृत्ति को दुनिया देख रही

डॉ. भागवत ने कहा कि हमारी शक्ति के कारण आवाज सुनी जाएगी। सारी दुनिया उसका अनुकरण करेगी, तब दुनिया ठीक होगी। भारत की प्रवृत्ति देख रहे।

आज दुनिया विनाश की ओर जा रही

संघ प्रमुख ने कहा कि मूल में है स्वार्थ प्रवृत्ति है, क्योंकि हम यह माने, दुनिया केवल जड़ है। न कलह बंद हुई, न कट्टर पंथ। आज दुनिया विनाश को ओर जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

सुनवाई से किया इनकार

ब्राह्मणों के खिलाफ हेट स्पीच को भी माना जाए अपराध, अर्जी वापस

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक रिट याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। याचिका में ब्राह्मण समुदाय के खिलाफ हेड स्पीच, जिसे 'ब्राह्मोफोबिया' बताकर इसे जाति आधारित भेदभाव के तहत दंडनीय अपराध घोषित करने की मांग की गई थी। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने याचिकाकर्ता महालिंगम बालाजी की संक्षिप्त सुनवाई के बाद याचिका को खारिज कर दिया। बालाजी खुद कोर्ट में पेश हुए थे। बाद में याचिकाकर्ता ने फिर से मामला उठाया और याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी, ताकि वह उचित मंच पर अपनी बात रख सकें। कोर्ट ने उन्हें याचिका वापस लेने की इजाजत दे दी।

किसी भी समुदाय के खिलाफ नफरत भरी भाषा नहीं चाहते

जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि हम किसी भी समुदाय के खिलाफ नफरत भरी भाषा नहीं चाहते। यह सब शिक्षा, बौद्धिक विकास, सहनशीलता और धैर्य पर निर्भर करता है। अंत में सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को अपनी याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता, जो खुद पेश हुए हैं। उन्होंने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी है। उनकी बात रिकॉर्ड में दर्ज की जाती है। यह याचिका वापस ली गई मानकर खारिज की जाती है।

राष्ट्रपति ने 'सेवाश्रम' में ऑन्कोलॉजी ब्लॉक का उद्घाटन किया

प्रेमानंद को किया नमन, देश की समृद्धि का आशीर्वाद मांगा

एजेंसी ▶▶ वृंदावन

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उत्तर प्रदेश के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। दौरे के दूसरे दिन वे शुक्रवार को धर्म नगरी वृंदावन पहुंचीं। यहां उन्होंने प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज के आश्रम 'श्री हित राधा केलि कुंज' में उनसे विशेष भेंट की। राष्ट्रपति का काफिला आश्रम पहुंचा, जहां महाराज जी ने 'राधे-राधे' के उद्घोष के साथ उनका स्वागत किया।

इस दौरान राष्ट्रपति ने 27 मिनट तक सुने महाराज के विचार

आध्यात्मिक और समाज के कल्याण पर की चर्चा

राष्ट्रपति और प्रेमानंद महाराज के बीच इस मुलाकात में आध्यात्मिक मूल्यों और समाज के कल्याण में विश्वास की भूमिका पर चर्चा हुई। इससे पहले उन्होंने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर की दूसरी मंजिल पर 'श्री राम यंत्र' की स्थापना की और मथुरा के इस्कॉन मंदिर में संध्या आरती में भी भाग लिया।

गोवर्धन परिक्रमा के साथ संपन्न होगा दौरा

राष्ट्रपति बाबा नीम करोली के स्मारक का दौरा किया और रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम में अत्याधुनिक ऑन्कोलॉजी ब्लॉक का उद्घाटन किया। साध्वी ऋतंभरा द्वारा स्थापित वात्सल्य ग्राम भी पहुंची। दौरा शनिवार को गोवर्धन के दानघाटी मंदिर में पूजा, पवित्र गोवर्धन परिक्रमा के साथ संपन्न होगा।

प्रेमानंद एक चमत्कारिक संत के रूप में ख्यात

कानपुर के ब्राह्मण परिवार में जन्मे अनिरुद्ध कुमार पांडे (अब प्रेमानंद महाराज) का जीवन संघर्ष और भक्ति का अद्भुत संगम है। उनका जन्म 30 मार्च 1969 को हुआ था, जिसके मुताबिक उनकी उम्र 57 वर्ष हो गई है। महाराज अपना जन्मदिन हिंदू पंचांग के अनुसार चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिन मनाते हैं। दोनों किडनियां खराब होने के बावजूद जिस ऊर्जा से वे भक्तों का मार्गदर्शन करते हैं, वह किसी चमत्कार से कम नहीं है।

सीएम बस्तर में देंगे राज्य की सबसे बड़े हेरिटेज मैराथन की सौगात

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार राज्य में खेल, पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए ह्यबस्तर हेरिटेज मैराथन 2026 का आयोजन रविवार 22 मार्च को करने जा रही है। यह राज्य का अब तक का सबसे बड़ा रनिंग इवेंट होगा, जिसकी शुरूआत जगदलपुर के ऐतिहासिक लालबाग मैदान से होगी और समापन विश्वप्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात पर होगा। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर इस रूट पर दौड़ते हुए प्रतिभागियों को बस्तर की अद्भुत वादियों और सांस्कृतिक पहचान का अनूठा अनुभव मिलेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस आयोजन को छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय बताते हुए कहा कि बस्तर हेरिटेज मैराथन केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि राज्य की समृद्ध परंपरा, प्राकृतिक संपदा और जनभागीदारी का उत्सव है। उन्होंने कहा कि ह्यबस्तर दौड़ेगा, देश जुड़ेगा के संदेश के साथ यह आयोजन न केवल फिटनेस को बढ़ावा देगा, बल्कि बस्तर को राष्ट्रीय और अंतरर्राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर और अधिक मजबूती से स्थापित करेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य ऐसे आयोजनों के माध्यम से स्थानीय युवाओं को अवसर देना, रोजगार सृजन को बढ़ावा देना और क्षेत्रीय विकास को गति देना है।

मैराथन में 42 किलोमीटर (फुल मैराथन), 21 किलोमीटर (हाफ मैराथन), 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर (फन रन) की श्रेणियां रखी गई हैं, ताकि हर आयु वर्ग और फिटनेस स्तर के लोग इसमें भाग ले सकें। प्रतिभागियों के लिए कुल 25 लाख रुपये की आकर्षक पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है। पंजीकरण शुल्क मात्र 299 रुपये रखा गया है, जबकि बस्तर संभाग के सातों जिलों के प्रतिभागियों के लिए यह पूरी तरह निःशुल्क है, जिससे स्थानीय स्तर पर अधिकतम लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। प्रतिभागियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मैराथन मार्ग पर व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। पूरे रूट पर नियमित अंतराल पर रिफ्रेशमेंट पॉइंट्स (आरपीएन) स्थापित किए जाएंगे, जहां एनर्जी ड्रिंक्स और पानी की उपलब्धता रहेगी। इसके अलावा मेडिकल सपोर्ट,

इमरजेंसी सेवाएं और सुव्यवस्थित रूट मैनेजमेंट भी सुनिश्चित किया गया है ताकि प्रतिभागियों को सुरक्षित और सुगम अनुभव मिल सके। इस आयोजन को और यादगार बनाने के लिए प्रत्येक प्रतिभागी को फिनिशर मेडल, ई-सर्टिफिकेट और प्रोफेशनल रनिंग फोटोग्राफ्स प्रदान किए जाएंगे। साथ ही जुम्बा सेशन और लाइव डीजे जैसे आकर्षक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे, जिससे प्रतिभागियों में उत्साह और ऊर्जा बनी रहे। रन फॉर नेचर, रन फॉर कल्चर (प्रकृति के लिए दौड़ो, संस्कृति के लिए दौड़ो) की थीम पर आधारित यह मैराथन बस्तर की प्राकृतिक धरोहर और जनजातीय संस्कृति को देशभर के सामने प्रस्तुत करने का एक सशक्त माध्यम बनेगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने देशभर के खिलाड़ियों, फिटनेस प्रेमियों और पर्यटकों से इस ऐतिहासिक आयोजन में भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि यह अवसर न केवल दौड़ने का है, बल्कि बस्तर को करीब से जानने और उसकी विरासत को महसूस करने का भी है। इच्छुक प्रतिभागी लिंक के माध्यम से या आधिकारिक पोस्टर में दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन कर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ह्यफिट इंडिया ह्यएक भारत श्रेष्ठ भारत और देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के विजन से प्रेरित है। प्रधानमंत्री ने हमेशा भारत की सांस्कृतिक विविधता और स्थानीय विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने पर जोर दिया है। बस्तर हेरिटेज मैराथन उसी सोच को आगे बढ़ाने का एक प्रयास है, जहां खेल, संस्कृति और प्रकृति एक साथ जुड़ते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार बस्तर को देश के प्रमुख पर्यटन और स्पोर्ट्स डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस तरह के आयोजनों से न केवल युवाओं में फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। बस्तर के कारीगरों, कलाकारों और छोटे-छोटे व्यवसायों को भी इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री साय ने देशभर के खिलाड़ियों, फिटनेस प्रेमियों और पर्यटकों से इस ऐतिहासिक आयोजन में भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि वह देश के हर कोने से युवाओं और नागरिकों को आमंत्रित करते हैं कि वे बस्तर आएं, यहां की प्रकृति, संस्कृति और ऊर्जा को महसूस करें और इस ऐतिहासिक मैराथन का हिस्सा बनें।

धर्म रक्षा के संकल्प को साकार कर रही सुशासन सरकार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की प्रवक्ता शताब्दी पांडे ने छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक, 2026 को प्रदेश की सांस्कृतिक अस्मिता, सामाजिक समरसता और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा की दिशा में एक ऐतिहासिक और आवश्यक कदम बताया है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक प्रदेश के गरीब, शोषित, आदिवासी और वंचित वर्गों की आस्था की रक्षा के लिए मजबूत कानूनी आधार प्रदान करता है। लंबे समय से प्रदेश के कई क्षेत्रों में लालच, भय, दबाव और छल-कपट के माध्यम से धर्म परिवर्तन की शिकायतें सामने आती रही हैं, जिससे सामाजिक ताना-बाना प्रभावित होता रहा है। इस विधेयक के माध्यम से ऐसे कृत्यों पर प्रभावी अंकुश लगेगा और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित होगी। शताब्दी पांडे ने कहा कि भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को अपनी आस्था के अनुसार धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता देता है, लेकिन किसी भी प्रकार का प्रलोभन, दबाव या धोखाधड़ी इस स्वतंत्रता के मूल भाव के खिलाफ है। छत्तीसगढ़ सरकार का यह कदम इसी संवैधानिक मयार्दा को मजबूत करने वाला है। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन की जो स्थापना हो रही है, उसमें कानून-व्यवस्था, पारदर्शिता और जन-आस्था की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह विधेयक न केवल धर्म की रक्षा करेगा, बल्कि समाज में विश्वास, सुरक्षा और सौहार्द का वातावरण भी सुदृढ़ करेगा। भाजपा प्रवक्ता ने विश्वास व्यक्त किया कि यह कानून प्रदेश के नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करते हुए सामाजिक एकता को और अधिक मजबूत करेगा तथा छत्तीसगढ़ को एक सशक्त, सुरक्षित और समरस राज्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जल संसाधन विभाग में अफसरों ने की मनमानी, सीएम सचिवालय ने दिये प्रमुख अभियंता को जांच का आदेश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छुईखदान जल संसाधन संभाग में अफसरों ने 500 करोड़ के काम में जमकर गोलमाल किया है। इस गड़बड़ी की लिखित शिकायत को गंभीरता से लेते हुए सीएम सचिवालय ने प्रमुख अभियंता को शिकायत पर नियमानुसार कार्यवाही कर आवेदक को अवगत कराने और पूरी कार्रवाई की जानकारी जनदर्शन पोर्टल पर दर्ज करने का निर्देश दिया है। सेवानिवृत्त सहायक वर्ग-3 एसके उपाध्याय ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर निर्माण कार्यों में बरती गई अनियमिता की जानकारी देने के साथ ही पूरे मामले की जांच की मांग की है। शिकायतकर्ता ने छत्तीसगढ़ के खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के जल संसाधन संभाग छुईखदान में कथित तौर पर 500 करोड़ रुपये के निर्माण कार्यों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की बात कही है। शिकायत में लिखा है, वर्ष 2023-24 से 2025-26 तक जल संसाधन संभाग छुईखदान को विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए लगभग 500 करोड़ रुपये का आबंटन हुआ। आरोप है कि इस राशि का उपयोग सही तरीके से नहीं किया गया और अधिकारियों-कर्मचारियों की मिलीभगत से भारी अनियमितताएं की गईं। शिकायतकर्ता ने पूरे मामले की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने की मांग की है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि वार्षिक मरम्मत और संधारण के लिए मिले लगभग 4 करोड़ रुपये का जमीनी स्तर पर कोई काम नहीं हुआ। आरोप है कि पूरी राशि आपस में बांट ली गई और कागजों में काम दिखाकर भुगतान कर लिया गया।

शिकायतकर्ता के आरोप

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्यों की निविदा प्रक्रिया में ठेकेदारों के साथ मिलीभगत कर करोड़ों रुपये का वारा-न्यारा कर दिया है। शिकायत के अनुसार करूणेश मेश्राम को प्रमुख अभियंता कार्यालय से नियम विरुद्ध छुईखदान में संलग्न कर तीन सबडिविजन का ऑडिट कार्य सौंपे जाने का आरोप है। वहीं कमल नारायण ठाकुर को उनके पद के विपरीत ऑडिटर, स्थापना, आरटीआई और कोर्ट केस का काम दिया गया। स्थल सहायक लोकेश शर्मा को भी फील्ड के बजाय कार्यालय में संलग्न कर नियमों का उल्लंघन बताया गया है। शिकायतकर्ता ने मांग की है कि कार्यपालन अभियंता बी.के. मरकाम के पूरे कार्यकाल की जांच कराई जाए। साथ ही सभी संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों की चल-अचल संपत्ति, आयकर रिटर्न और वेतन के आधार पर तुलनात्मक विश्लेषण कर स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए।

प्रदेश मे खुलेंगे पांच नए चिकित्सा महाविद्यालय, राज्य सरकार ने की डीनों की नियुक्ति

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। प्रदेश के पांच शहरों में नए चिकित्सा महाविद्यालय खुलेंगे, इसी के मदेनजर नए मेडिकल कॉलेजों के लिए राज्य सरकार ने डीन की नियुक्ति कर दी है। राज्य के मेडिकल कॉलेजों के निरीक्षण पर इसी महीने एनएमसी आने वाली है। वे यहाँ नए मेडिकल कॉलेजों का भी दौरा करेगी। एनएमसी के निरीक्षण के बीच राज्य के 10 चिकित्सा महाविद्यालयों में फैकल्टी की भारी

कमी है। इन कॉलेजों में चिकित्सकों के 2660 स्वीकृत है, इसमें 1290 पद अब भी खाली है। जाहिर सी बात है एनएमसी की नजरें इस ओर भी रहेंगी। राज्य सरकार ने प्रदेश में पांच शहरों में नए मेडिकल कॉलेज खोलने का निर्णय लिया है। इन कॉलेजों के लिए डीन की नियुक्ति सरकार ने कर दी है। प्रदेश के पुराने चिकित्सा महाविद्यालयों में फैकल्टी की भारी कमी के बीच यह सवाल भी उठ रहा है, जब पुराने चिकित्सा महाविद्यालयों में फैकल्टी की कमी पूरी नहीं हो पा रही है, तब नए मेडिकल कॉलेजों के लिए चिकित्सकों की भर्ती कहां से होगी। विशेषज्ञ चिकित्सक कहां से आएंगे।

यहाँ खुलेंगे मेडिकल कॉलेज

राज्य शासन ने कवर्धा, मनेंद्रगढ़, जांजगीर-चांपा, गीदम (दंतेवाड़ा) व कुनकुरी (जशपुर) में नए मेडिकल कॉलेज खोलने का निर्णय लिया है। यहां खुलने वाले 5 नए मेडिकल कॉलेज के लिए फैकल्टी की नियुक्त अभी तक नहीं हो पाई है, हालांकि इन कॉलेजों में डीन का प्रभार दिया गया है। संभावना है, दंतेवाड़ा व जशपुर के जिला अस्पतालों को संबद्ध अस्पताल के रूप में निरीक्षण के दौरान एनएमसी को दिखाया जाएगा। गीदम के लिए कोई समस्या नहीं है। मापदंड के अनुसार कॉलेज व अस्पताल के बीच की दूसरी 10-15 किलोमीटर के आस-पास होनी चाहिए।

शहर के भीतर 5 बजे से रात 12 बजे तक भारी वाहनों की एंट्री प्रतिबंधित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। शहर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए रायपुर पुलिस ने बड़ा फैसला लेते हुए भारी और मध्यम मालवाहक वाहनों के शहर में प्रवेश पर सख्त समयबद्ध प्रतिबंध लागू कर दिया गया है। नए आदेश के अनुसार सुबह 5 बजे से रात 12 बजे तक शहर के भीतर इन वाहनों की एंट्री पूरी तरह बंद रहेगी। यह आदेश जारी होने की तारीख से एक महीने तक प्रभावी रहेगा। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि रिंग रोड-01 और रिंग रोड-02 से शहर में आने वाले 18 प्रमुख मार्गों और चौक-चौराहों पर यह प्रतिबंध लागू रहेगा। इनमें तेलीबांधा चौक, केनाल रोड, महावीर नगर चौक, राजेंद्र नगर चौक, पचपेड़ीनाका, संतोषीनगर, भाठागांव, कुशालपुर, रायपुरा, डीडी नगर, अरिहंत नगर, टाटीबंध, हीरापुर टर्निंग, गोगांव तिराहा, गोंदवारा तिराहा, भनपुरी क्षेत्र, विधानसभा रोड (व्हीआईपी तिराहा) और एक्सप्रेस-वे ब्रिज के नीचे का इलाका शामिल है।

महतारी वंदन योजना : आर्थिक संबल से आत्मविश्वास तक, सशक्त हो रही छत्तीसगढ़ की महिलाएं

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति तब मानी जाती है जब उसकी महिलाएं सशक्त, आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन जीने लगें। छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना इसी दिशा में एक ऐतिहासिक और संवेदनशील पहल बनकर उभरी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में यह योजना आज लाखों महिलाओं के जीवन में आत्मविश्वास, आर्थिक संबल और नई उम्मीदों का संचार कर रही है। महतारी वंदन योजना केवल हर माह मिलने वाली 1000 रुपये की आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिलाओं के सपनों को पंख देने, उनके आत्मसम्मान को मजबूत करने और परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने का सशक्त माध्यम बन गई है। प्रदेश के गांव-गांव से ऐसी प्रेरक कहानियां सामने आ रही हैं, जो बताती हैं कि छोटे-छोटे आर्थिक सहयोग से भी बड़े सामाजिक बदलाव संभव हैं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बस्तर में आयोजित वृहद महतारी वंदन कार्यक्रम के दौरान कई महिलाओं ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से वर्चुअल संवाद कर अपने जीवन में आए बदलाव साझा किए। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के ग्राम खोडरी की श्रीमती अनीता साहू ने बताया कि पहले आर्थिक कठिनाइयों के कारण परिवार चलाना मुश्किल था, लेकिन योजना से मिली राशि से उन्होंने सिलाई मशीन खरीदी और अनीता सिलाई सेंटरह्व शुरू किया। आज वे सिलाई, खेती और मजदूरी के माध्यम से अपने परिवार को बेहतर जीवन दे रही हैं। उनका यह सफर संघर्ष से आत्मनिर्भरता तक की प्रेरक कहानी बन गया है। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले की श्रीमती मिथलेश चतुवेर्दी ने भी अपने जीवन का भावुक अनुभव साझा किया। पति के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई थी। ऐसे कठिन समय में महतारी वंदन योजना ने उन्हें आर्थिक संबल दिया और उन्होंने ई-रिक्शा खरीदकर आजीविका का नया रास्ता चुना। आज वे आत्मसम्मान के साथ अपने

परिवार का पालन-पोषण कर रही हैं और समाज में आत्मनिर्भर महिला की पहचान बना चुकी हैं। कोरिया जिले की ग्राम डुमरिया निवासी श्रीमती बाबी राजवाड़े बताती हैं कि खेती-किसानी में मिलने वाली मासिक राशि उनके लिए बड़ी मदद साबित हो रही है। बीज, खाद और अन्य कृषि जरूरतों को पूरा करना अब पहले की तुलना में आसान हो गया है। वहीं ग्राम आमापारा की श्रीमती सुंदरी पैकरा इस राशि का उपयोग अपने बच्चों की पढ़ाई में कर रही हैं, जिससे उनके बच्चों के भविष्य को नई दिशा मिल रही है। भरतपुर विकासखंड के ग्राम चांटी की श्रीमती सविता सिंह की कहानी इस योजना की सार्थकता को और मजबूत करती है। उन्होंने महतारी वंदन योजना की राशि को बचाकर सिलाई मशीन खरीदी और सिलाई कार्य शुरू किया। आज वे गांव में कपड़ों की सिलाई कर नियमित आय अर्जित कर रही हैं और अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का खर्च स्वयं उठा रही हैं। उनकी सफलता ने गांव की अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी है। महतारी वंदन योजना का व्यापक प्रभाव प्रदेश के हर जिले में दिखाई दे रहा है। लगभग 69 लाख विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये की सहायता सीधे उनके बैंक खातों में दी जा रही है और अब तक 25 किस्तों के माध्यम से 16 हजार 237 करोड़ रुपये से अधिक की राशि डीबीटी के जरिए प्रदान की जा चुकी है। यह नियमित आर्थिक सहयोग महिलाओं के जीवन में स्थिरता और आत्मविश्वास ला रहा है। इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह महिलाओं को केवल सहायता नहीं देती, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देती है। महिलाएं इस राशि से छोटे-छोटे व्यवसाय शुरू कर रही हैं, बच्चों की पढ़ाई में निवेश कर रही हैं, खेती-किसानी को मजबूत बना रही हैं और परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। इससे परिवार, समाज और राज्य तीनों स्तरों पर सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहा है। महिलाओं का कहना है कि पहले छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी उन्हें दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब महतारी वंदन योजना ने उन्हें आत्मसम्मान के साथ जीने की ताकत दी है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना उनके जीवन में नई उम्मीद और नया आत्मविश्वास लेकर आई है। आज महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण का मजबूत स्तंभ बन चुकी है। यह योजना न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है, बल्कि उन्हें समाज में सम्मान, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ने का अवसर भी दे रही है। निश्चित रूप से महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ की महिलाओं के लिए आत्मसम्मान, सशक्तिकरण और उज्ज्वल भविष्य की नई सुबह साबित हो रही है, जो आने वाले समय में प्रदेश के समग्र विकास की मजबूत आधारशिला बनेगी।

कुदरगढ़ धाम के समग्र विकास हेतु सभी आवश्यक सुविधाएं की जाएंगी विकसित-विष्णुदेव

माँ कुदरगढ़ी धाम में पूजा अर्चना कर मुख्यमंत्री ने की प्रदेश के खुशहाली की कामना

85 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर शनिवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विकासखण्ड ओड़गी अंतर्गत प्रसिद्ध देवी धाम कुदरगढ़ पहुंचकर पर्वतवासिनी माँ बागेश्वरी देवी की पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। माँ कुदरगढ़ी देवी मंदिर में विधिवत दर्शन-पूजन के उपरांत मुख्यमंत्री श्री साय ने जिलेवासियों को 185 करोड़ 10 लाख रुपये की लागत से 52 कार्यों का लोकार्पण एवं 24 कार्यों का भूमिपूजन कर विकास की बड़ी सौगात दी। इन कार्यों में सड़क, भवन, पेयजल, शिक्षा, जलाशय एवं नगरीय अधोसंरचना से जुड़े निर्माण शामिल हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि जिले में रेडी टू ईट निर्माण कार्य के माध्यम से पोषण कार्यक्रम का संचालन बेहतर ढंग से किया जा रहा है, जिससे महिलाओं और बच्चों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने इस पहल को जिले के समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। मुख्यमंत्री ने नवरात्रि पर्व के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि माता कुदरगढ़ का आशीर्वाद सभी पर बना रहे और सभी के जीवन में सुख-समृद्धि एवं खुशहाली आए। उन्होंने विश्वास जताया कि माता के आशीर्वाद से छत्तीसगढ़ निरंतर विकास की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि माता के आशीर्वाद से बस्तर क्षेत्र से नक्सलवाद समाप्त करने की दिशा में सरकार लगातार प्रयासरत है । साथ ही, कुदरगढ़ धाम में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शीघ्र ही रोपवे का निर्माण कराया जाएगा, जिससे दर्शन करना और अधिक सुगम हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि क्षेत्र में डोम, बिजली सहित सभी आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी, ताकि कुदरगढ़ धाम का समग्र और सुव्यवस्थित विकास सुनिश्चित किया जा सके। विष्णु देव साय ने कहा कि जिले में रेडी टू ईट निर्माण कार्य के माध्यम से पोषण कार्यक्रम का संचालन बेहतर ढंग से किया जा रहा है, जिससे महिलाओं और बच्चों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने इस पहल को जिले के समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। इस दौरान कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने चैत्र नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पावन पर्व नई ऊर्जा और समृद्धि का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों की उन्नति के लिए निरंतर कार्य कर रही है और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उनकी आय बढ़ाने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरगुजा ओलंपिक के आयोजन से इस क्षेत्र के खिलाड़ियों को खेल का नया अवसर मिला है। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने नवरात्रि के अवसर पर माता रानी का आशीर्वाद सभी जिले वासियों पर बना रहे, ऐसी कामना करते हुए कहा कि सरकार महिलाओं और बच्चों के सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी सेवाओं को मजबूत करते हुए महिलाओं और बच्चो को बेहतर पोषण प्रदान करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में आपके क्षेत्रों के विकास के लिए निरन्तर कार्य किया जा रहा है।सामुदायिक भवन, गढ़वतिया धाम , कुदरगढ़ में स्वास्थ्य केंद्र और लोक न्यास ट्रस्ट के भवन के लिए राशि स्वीकृति पर धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके अलावा मुख्यमंत्री श्री साय ने जिले में पोषण के प्रति जागरूकता के लिए सुपोषण रथ , आपराधिक जागरूकता रथ और यातायात जागरूकता रथ को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों के बेहतर पोषण के लिए जनजागरूकता बेहद आवश्यक है। स्वस्थ महिला और बच्चों से परिवार की खुशियां मजबूत होती हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि यातायात के नियमों के प्रति सभी को सजग होना चाहिए जिससे सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है और लाखों लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणी देवपाल सिंह पैकरा, पूर्व विधायक श्रीमती रजनी त्रिपाठी, बाबूलाल अग्रवाल, मुरली मनोहर सोनी, भुवन भास्कर, जनप्रतिनिधिगण, श्रद्धालूजन, गणमान्य नागरिक, आईजी दीपक झा, संभागायुक्त नरेंद्र दुग्गा, कलेक्टर एस जयवर्धन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर, डीएफओ डी.पी. साहू, जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले व संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

समूहों की महिलाओं को प्रशस्ति पत्र से किया सम्मानित

मुख्यमंत्री ने रेडी टू ईट आहार निर्माण में संलग्न महिलाओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया और उनके कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महिला स्व-सहायता समूहों का यह प्रयास जिले में पोषण स्तर सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित पूरक पोषण आहार योजना के तहत हितग्राहियों को गुणवत्तापूर्ण पोषण उपलब्ध कराने के लिए जिले में रेडी टू ईट समूहों के माध्यम से सुदृढ़ व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। जिले के सभी 2081 आंगनबाड़ी केंद्रों में समूहों के जरिए नियमित एवं व्यवस्थित रूप से पोषण आहार का वितरण किया जा रहा है।

सर्वसुविधायुक्त नवनिर्मित विश्रामगृह का लोकार्पण

मुख्यमंत्री ने कुदरगढ़ में सर्वसुविधायुक्त नवनिर्मित विश्रामगृह भवन का लोकार्पण किया। लगभग 3 करोड़ 9 लाख 60 हजार रुपये की लागत से निर्मित इस आधुनिक भवन में अतिथियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। इस विश्रामगृह में 2 वीआईपी सूट, 3 वीआईपी कमरे, डायनिंग एरिया, किचन, वेटिंग एरिया के साथ ही गैरेज, गार्ड रूम, सर्वेंट क्वार्टर एवं वाहन शेड जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इसके अतिरिक्त परिसर में 265 मीटर लंबा पहुंच मार्ग और 420 मीटर की बाउंड्रीवाल का भी निर्माण किया गया है।

मुख्यमंत्री ने जागरुकता रथों को दिखाई हरी झंडी

पोषण, सड़क सुरक्षा और नवीन आपराधिक कानून तीनों जन-जागरण अभियान

छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मां कुदरगढ़ी धाम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 05 जागरुकता रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सुपोषित छत्तीसगढ़ अभियान के तहत 03 पोषण रथ, 1 सड़क जागरुकता तथा 1 नवीन आपराधिक कानून जागरुकता रथ अब जिले से लेकर दूरस्थ ग्रामीण अंचलों तक पहुंचकर आमजन को जागरुक करेंगीं। पोषण रथ कुपोषण के विरुद्ध जन आंदोलन को गति देगा और ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं, बच्चों एवं किशोरियों को संतुलित आहार, स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति सचेत करेगा। सड़क जागरुकता रथ यातायात नियमों के पालन, हेलमेट सीटबेल्ट के उपयोग एवं सुरक्षित वाहन चालन के संदेश गांव-गांव तक पहुंचाएगा। वहीं नवीन आपराधिक कानून जागरुकता रथ भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम जैसे नए कानूनों की जानकारी आमजन तक सरल भाषा में पहुंचाने का कार्य करेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ये जागरुकता रथ केवल वाहन नहीं, बल्कि जन-जागरण के दूत हैं। सुपोषित, सुरक्षित और कानून के प्रति सजग समाज के निर्माण में ये अभियान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

विश्व वानिकी दिवस पर शिव पार्क में हुआ पौधरोपण

छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। विश्व वानिकी दिवस पर यहां शिव पार्क में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वन परिक्षेत्र सूरजपुर एवं रामानुजनगर के समस्त वन कर्मचारी उपस्थित रहे जिनके द्वारा पौधरोपण किया गया। उपवनमंडल अधिकारी अशोक कुमार तिवारी ने विश्व वानिकी दिवस के उद्देश्य के बारे में बताते हुए कहा कि सभी प्रकार के वनों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उनके संरक्षण के लिए प्रोत्साहित करना है।

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में आवास आवंटन व्यवस्था पर उठे सवाल

आवास खाली न होने से कर्मचारियों में नाराजगी

छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के रामानुजनगर स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में आवास आवंटन को लेकर गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। बताया जा रहा है कि कई कर्मचारी स्थानांतरण या अन्यत्र पदस्थापना के बाद भी आज तक सरकारी आवास खाली नहीं किया गया हैं। हैरानी की बात यह है कि संबंधित अधिकारियों द्वारा इन्हें खाली कराने के लिए अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय कर्मचारियों का कहना है कि कॉलोनी की स्थिति ﷺअंधेर नगरी चौपट राजाﷺ जैसी बन गई है, जहां नियम-कायदे सिर्फ कागजों तक सीमित हैं। पूर्व में भी ऐसे कई मामलों की जानकारी सामने आई थी, जिनमें कर्मचारियों पर लाखों रुपये की बकाया राशि वसूली लंबित है, लेकिन विभाग की ओर से कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया। इस अव्यवस्था का सीधा असर वर्तमान में पदस्थ कर्मचारियों पर पड़ रहा है, जिन्हें आवास की सख्त आवश्यकता है, लेकिन कमरों पर दूरस्थ कर्मचारियों का कब्जा होने के कारण उन्हें सुविधा नहीं मिल पा रही है। कई कर्मचारी मजबूरी में निजी मकानों में रहने को विवश हैं और अतिरिक्त आर्थिक बोझ झेल रहे हैं। कर्मचारियों के बीच इस बात को लेकर भी नाराजगी है कि कुछ लोगों को इस व्यवस्था का अनुचित लाभ मिल रहा है, जबकि वास्तविक जरूरतमंद वंचित रह जा रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द आवास खाली कराकर पात्र कर्मचारियों को आवंटित किया जाए और बकाया राशि की वसूली भी सुनिश्चित की जाए। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में कब तक संज्ञान लेकर ठोस कार्रवाई करता है।

अटल डिजिटल केंद्रों से 2.78 लाख ट्रांजेक्शन, 84.23 करोड़ का लेनदेन

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। कोंडागांव जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं को सुलभ बनाने अटल डिजिटल केंद्र खोले गए हैं। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि गांव में संचालित इन केंद्रों के माध्यम से अब ग्रामीणों को बैंकिंग और शासकीय सेवाएं उनके घर के पास ही मिल रही हैं। इससे शहर जाने की जरूरत कम हुई है और समय के साथ खर्च की भी बचत हो रही है। अटल डिजिटल केंद्रों के जरिए ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाएं, बिजली बिल जमा, डीटीएच रिचार्ज, महतारी वंदन योजना की राशि आहरण, श्रम कार्ड से जुड़ी सेवाएं, डिजी-पे के माध्यम से शासकीय योजनाओं की राशि प्राप्त करना व वाहन व स्वास्थ्य बीमा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।इससे ग्रामीण अब सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। जिले की 260 ग्राम पंचायतों में वीएलई के साथ एमओयू कर सेवाओं का विस्तार किया गया है।

सामाजिक सद्भाव बैठक में एकता और भाईचारे का दिया गया संदेश

छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले के रामनुजनगर एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए समाज में एकता, आपसी सहयोग और भाईचारे को मजबूत करने पर जोर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अमरसिंह रहे, जबकि मातृशक्ति के रूप में श्रीमती शकुंतला पोर्ते की उपस्थिति रही। मुख्य वक्ता नागेश नाथ योगी ने अपने संबोधन में कहा कि समाज की उन्नति आपसी सद्भाव और सहयोग से ही संभव है। उन्होंने सभी वर्गों से भेदभाव मिटाकर एकजुट होकर समाजहित में कार्य करने का आह्वान किया। बैठक में उपस्थित वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखते हुए कहा कि भारत की संस्कृति विविधता में एकता की मिसाल है और इसी भावना को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। सामाजिक समरसता बनाए रखने के लिए सभी समाजों का परस्पर संवाद और सहयोग बेहद जरूरी है। कार्यक्रम में संघ चालक बृजेश राजवाड़े, प्रदीप झा, बलदाऊ भैया, नन्दू यादव, राजेश साहू, यादवेन्द्र दुबे, योगेश साहू, निरिस्ता राजवाड़े, संत कुमार साहू, शिवम दूबे, संजीव गुप्ता, मदन सारथी, रामरतन साहू, फूलसाय राजवाड़े, रोहित सिंह, बीरबल सिंह, मोतीलाल यादव, संत सिंह, नंदकेश्वर, बिरजा साहू सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में आयोजकों द्वारा सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया गया तथा समाज में शांति, सौहार्द और भाईचारे को बनाए रखने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का समापन सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ।

वनौषधि परंपरा के संरक्षण के लिए सरकार प्रतिबद्ध-वन मंत्री

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप आज छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के नवनियुक्त उपाध्यक्ष श्री अंजय शुक्ला के पदभार ग्रहण समारोह में शामिल हुए। यह कार्यक्रम राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर, जीरो प्वाइंट, रायपुर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब, राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा , विधायक श्री किरण सिंह देव, विधायक श्री अनुज शर्मा और विधायक श्री इंद्रकुमार साहू अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ एक वन संपदा से समृद्ध राज्य है, जहां लगभग 44.21 प्रतिशत क्षेत्र में वन हैं। यहां के वनों में विभिन्न प्रकार की वनौषधियां पाई जाती हैं, जिनका उपयोग प्राचीन काल से उपचार के लिए किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित करने और आमजन तक इसके लाभ पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2012 से 21 मार्च को विश्व वानिकी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन श्री अंजय शुक्ला द्वारा उपाध्यक्ष का पदभार ग्रहण करना एक सकारात्मक संकेत है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके अनुभव से औषधि पादप बोर्ड को मजबूती मिलेगी और यह नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने की भोरमदेव कॉरिडोर निर्माण की समीक्षा

ठेकेदारों को निर्माण कार्य 1 वर्ष में पूरा करने दिए निर्देश

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज भोरमदेव मंदिर परिसर में भोरमदेव कॉरिडोर निर्माण से जुड़े विभागों और ठेकेदारों की मैराथन समीक्षा बैठक ली।उन्होंने प्रोजेक्ट में मुख्य मंदिर परिसर का उन्नयन, सरोवर का सौंदर्यीकरण, मड़वा महल, छेरकी महल, रामचुवा, सरोदा, पार्किंग में अब तक हुए कार्यों की प्रगति की गहनता से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता और समय सीमा पर पूर्णता इन दो पैमानों पर सभी कामों की मॉनिटरिंग होगी। इसके लिए जिला स्तर पर निगरानी समिति गठित की गई है। उन्होंने सभी ठेकेदारों से कहा कि 15-15 दिन में किए जाने वाले कार्यों की टाइमलाइन दें। निगरानी समिति को हर सोमवार कार्यस्थल का मुआयना कर प्रगति की समीक्षा के निर्देश दिए। इस दौरान निर्माण कार्य में लगे सभी प्रोजेक्ट इंचार्ज और इंजीनियर्स को अनिवार्य रूप से मौजूद रहने के लिए कहा। काम में किसी भी प्रकार की लापरवाही होने पर कड़ी कार्रवाई की बात कही। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने समीक्षा के दौरान कहा कि मुख्य मंदिर परिसर में पेड़ों के इर्द गिर्द यहां दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बैठने के लिए चबूतरे बनवाये जाएं। मंदिर परिसर में जो भी प्रवेश द्वार और खंभे बनने का रहे हैं उनमें %फनी नागवंशी% स्थापत्य की झलक दिखे, ऐसी संरचनाएं बनाई जाएं, लकड़ी के दरवाजों में इसी के अनुसार की नक्काशी की जाए। मुख्य प्रवेश द्वार सहित सभी द्वार भव्य रूप से बनाए जाएं। उन्होंने कहा कि सरोवर स्थल में पिचिंग और लाइनिंग का काम तकनीकी उत्कृष्टता के साथ किया जाए। उन्होंने सरोवर तट पर सीढ़ियां तथा उसके ऊपर शेड का निर्माण व्यवस्थित रूप से करने के लिए कहा ताकि श्रद्धालु वहां आराम से बैठ सकें।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से बिना किसी चिन्ता के घर में मिल रही बिजली

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने जशपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की नई राह खोल दी है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व में इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन जिले में किया जा रहा है, जिससे आम नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। बगीचा विकासखंड के ग्राम चम्पा निवासी श्री कोइरा राम इसकी एक सशक्त उदाहरण हैं। उन्होंने अपने घर में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 2 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित कराया है। श्री कोइरा राम बताते हैं कि सोलर पैनल लगने से पहले उन्हें हर महीने अधिक बिजली बिल चुकाना पड़ता था, जिससे घरेलू खर्च पर अतिरिक्त बोझ पड़ता था।

लेकिन सोलर पैनल लगने के बाद उनका बिजली बिल शून्य हो गया है और अब वे बिना किसी चिंता के बिजली का उपयोग कर पा रहे हैं।

कोरिया फ्रंटलाइन

तालाब में मिले शव की गुत्थी सुलझी, दो आरोपी गिरफ्तार

जमीन विवाद में पुत्र ने गला दबा कर पिता को मौत के घाट उतारा

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर (कोरिया)। चरचा कालरी क्षेत्र के ग्राम सरडी तलवारपारा में दो माह पूर्व तालाब में मिली एक लाश का मामला आखिरकार पुलिस ने सुलझा लिया। इस पूरे हत्याकांड का सबसे चौंकाने वाला पहलू यह रहा कि जिस बेटे ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई, वही इस हत्या का आरोपी निकला।

गत 16 जनवरी 2026को आरोपी अरविंद राजवाड़े निवासी ग्राम तलवा पारा ग्राम पंचायत सरडी ने चरचा थाना पहुंचकर सूचना दी थी कि उसके पिता शोभराम राजवाड़े की लाश घर से करीब 1 किमी दूर ननमुहारी तालाब में नग्न अवस्था में पड़ी है। प्रार्थी ने रिपोर्ट में यह भी लिखवाया की उसका पिता वर्ष 2001 से दूसरी पत्नी के साथ रहता था। और उसके मरने के बाद उसके हिस्से की जमीन को बेच रहा था। उसकी रिपोर्ट पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव बरामद किया। पानी में शव मिलने के कारण पोस्टमार्टम के दौरान डॉक्टर ने शव के टिबिया बॉन को सुरक्षित

रखा पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शोभाराम की मृत्यु का कारण गला दबाकर हत्या करना पाया गया। इसके अतिरिक्त पुलिस जांच के दौरान मुख्य गवाह उमाशंकर राजवाड़े के बयान ने केस को नया मोड़ दिया। उन्होंने बताया कि मृतक को उसकी पत्नी और बेटा अरविंद खुद घर ले गए थे, जबकि अरविंद इस बात से लगातार इनकार करता रहा की वह शोभाराम को लेने नहीं गया था यहीं से पुलिस को शक गहराया।

चरचा थाना प्रभारी आनंद सोनी ने बारीकी से जांच करते हुए दोनों भाइयों से अपनापन जताते हुए मदद करने की बात कही। जिससे पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। इस जटिल हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने में थाना प्रभारी आनंद सोनी , प्रधान आरक्षक बृजेश सिंह, शशि भूषण, आरक्षक साकेत मरकाम, सैनिक सतीश सिंह की विशेष भूमिका रही।

जमीन बनी मौत की वजह

जांच में सामने आया कि मृतक शोभाराम अपनी जमीन बेच रहा था। गत 15 जनवरी जब बड़ा बेटा राम कैलाश राजवाड़े बाहर से काम कर देर शाम घर पहुंचा तो उसे जानकारी मिली कि उसका पिता जमीन बेच रहा है। इधर उसकी मां खाना बनाने चली गई। शराब के नशे में शोभाराम ने कहा कि मेरी जमीन है मैं बेचूंगा तुम लोग क्या कर लोगे, यह बात सुनकर राम कैलाश गुस्से में आ गया। और रात करीब 9 बजे वह अपने पिता को घर के पास सुनसान बाड़ी में ले गया। वहां जमीन को लेकर विवाद हुआ और राम कैलाश नेवोगुस्से में आकर गुस्से में आकर अपने पिता को जमीन पर पटक दिया। और दस्ताने पहनकर गला दबाकर हत्या कर दी। शोभाराम के मरने पर राम कैलाश घबरा गया और घर जाकर अपने छोटे भाई अरविंद को जानकारी देकर मदद करने को कहा दोनों ने मिलकर शव को खेती में प्रयुक्त होने वाले धान धोने बांस की सिहरी में बांधा कर घर से करीब 1 किमी दूर तालाब में ले जाकर नग्न अवस्था में फेंक दिया। और हत्या में इस्तेमाल दस्ताने भी जला दिए आरोपियों ने अपने पिता के शव को नग्न हालत में इसलिए फेंका ताकि लोग यह भ्रमित हो जाएं की पानी में डूबने से उसकी मृत्यु हुई है।

अकीदत व उल्लास के साथ मनाया गया ईद-उल-फितर का त्योहार

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। ईद-उल-फितर का त्योहार शनिवार को समूचे एमसीबी जिले में अकीदत व उल्लास के साथ मनाया गया। शनिवार की सुबह अरब बाबा व ईदगाह मैदान में ईद की नमाज अता करने के लिए नमाजियों की भीड़ उमड़ पड़ी। नमाजियों ने अपने घर परिवार की सुख समृद्धि के साथ देश में अमन-चैन और भाईचारे की दुआ मांगी। बाईपास रोड स्थित अरब बाबा व ईदगाह मैदान नमाजियों से भरा रहा जहां नमाजियों ने ईद की नमाज अता की।

नमाज के बाद देश व दुनिया के लिए अमन-चैन व भाईचारे की दुआ मांगी गई। नमाज के बाद नमाजियों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और खुशियां साझा कर भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया। ईद की सेवईयां जायका ही नहीं दिलों में भी मिठास भरती हैं। हफ्तों पहले से घरों में मेहमानों के लिए तरह-तरह की सेवइयां बनाने की तैयारी शुरू हो जाती है। माह रमजान से लेकर ईद-उल-फितर तक यह सिलसिला चलता रहा। ईद की मुबारकबाद मुस्लिम समाज के लोगों के साथ साथ अन्य समाज के लोगों ने भी दी।

चावल-चना की हेराफेरी, समूह अध्यक्ष, सचिव व विक्रेता के विरूद्ध केस दर्ज

अंबिकापुर। सीतापुर थाना क्षेत्र के शासकीय उचित मूल्य दुकान पेटला में चावल और चना भौतिक सत्यापन में कम पाए जाने पर सहायक खाद्य अधिकारी की लिखित शिकायत पर पुलिस ने समूह की अध्यक्ष सहित तीन लोगों के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है। सहायक खाद्य अधिकारी, सीतापुर ने सीतापुर थाने में लिखित प्रतिवेदन प्रस्तुत करके पुलिस को अवगत कराया है कि माता स्वयं सहायता समूह पेटला द्वारा पूर्व में संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान पेटला आई.डी. क्रमांक 392003027 के खाद्यान्न का भौतिक सत्यापन उनके द्वारा किया था। खाद्यान्न के ऑनलाइन स्टॉक एवं भौतिक सत्यापन में चावल 335.17 क्विंटल एवं चना 3.08 क्विंटल कम होना पाया गया।

बिछिया टोला में नहीं रुक रहा अवैध रेत भंडारण व परिवहन

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। जिला एमसीबी के अनुभाग केल्हारी अंतर्गत ग्राम पंचायत बिछिया टोला में इन दिनों अवैध रेत परिवहन कर भंडारण का कार्य जोरों पर है कई शिकायतों के बाद भी प्रशासन अभी तक कोई ठोस कार्यवाही करने में विफल है। विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार केल्हारी अनुभाग क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बिछिया टोला के केवई नदी से ट्रैक्टर से बिना रॉयल्टी के अवैध रेत भंडारण का कार्य चल रहा है जिसको लेकर स्थानीय प्रशासन मौन है या उनकी मौन सहमति से चल रहा है। रेत का अवैध उत्खनन एवं परिवहन बिना रॉयल्टी पर्ची के धड़ल्ले से चल रहा है। रेत परिवहन अब क्या कारण है कि प्रशासन कार्यवाही करने में

कोताही बरत रहा है या फिर वजह कुछ और भी है समझ से परे है। सूत्र बताते हैं कि विगत दिनों पहले रेत के अवैध कारोबार में जिले के अलग अलग जगह पर गंभीर हादसा भी हुआ है बावजूद इसके प्रशासन द्वारा लगातार शिकायतों के बाद भी कार्यवाही में सुस्ती बरती जा रही है जो कई गंभीर सवाल उत्पन्न करती है कि आखिर किसके संरक्षण में रेत का अवैध कारोबार फल फूल रहा है। सूत्रों का कहना है कि विगत दिनों स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा रेत खदान में कार्यवाही की गई परंतु कोई अंकुश लगता नहीं दिख रहा है कार्यवाही भी महज खानापूर्ति जैसा किया गया।

अवकाश के दिनों में भी खुले रहेंगे पंजीयन कार्यालय

जशपुरनगर। पंजीयन विभाग ने राजस्व संग्रह को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मार्च माह के अंत में आने वाले शासकीय अवकाश के दिनों में भी पंजीयन कार्यालय खुले रहेंगे। कार्यालय महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक, रायपुर ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। पंजीयन शाखा में भी वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित राजस्व लक्ष्य आय शान को अधिक से अधिक राजस्व प्रदाय करने के उद्देश्य के साथ ही जन सुविधा उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण से अंतिम दिनों में पंजीयन कार्य संपन्न कराए जाएगें। शासकीय अवकाश 22 मार्च-चौथा रविवार, 28 मार्च-अंतिम शनिवार, 29 मार्च-अंतिम रविवार, 31 मार्च-महावीर जयंती कुल चार अवकाश के दिनों को भी उप पंजीयक कार्यालय पंजीयन कार्य हेतु एवं जिला कोषालय-उपकोषालय खुला रखा जाएगा।

दिव्यांग युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने ने जिला पंचायत में आयोजित किया गया कार्यशाला

विभिन्न विभागों द्वारा दी गई योजनाओं की जानकारी

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशानुसार समाज कल्याण विभाग द्वारा दिनांक 20.03. 2026 को दिव्यांग जनो के स्वावलंबन, स्वरोजगार हेतु उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन जिला पंचायत जशपुर के सभाकक्ष में आयोजित किया गया ।

कार्यशाला में जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द्र, श्रम विभाग मुख्यमंत्री कौशल विकास विभाग एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के संयुक्त समन्वय से आयोजन हुआ, जिसमें जिले से 65 दिव्यांगजन उपस्थित हुए। प्रकाश यादव, मुख्यमंत्री कौशल विकास विभाग द्वारा एल.ई.डी. बल्ब के निर्माण एवं व्यापार के बारे जानकारी दी गई है। मनीष भगत जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द्र द्वारा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यकम, (CMEGP) के पात्रता एवं आवश्यक दस्तावेज संबंधित जानकारी, मिलन राठिया, श्रम पदाधिकारी द्वारा ई रिक्शा सहायता योजना, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु निःशुल्क कोचिंग सहायता योजना की पात्रता एवं लाभ से संबंधित जानकारी, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से भरत पटेल द्वारा स्व सहायता समूह बनाने की प्रक्रिया, संकुल संगतन, ग्राम संगठन, सकिय महिला , बैंक मित्र ऋ्न,ष्ट्रस्न बनाने के संबंध में विस्तार से बताया गया। दुलदुला के 30 सदस्यों वाली महिला स्व सहायता समूह द्वारा ष्समूह ऋ्णष् की मांग की गई। दिव्यांगो का ष्उगता सूरज ष्स्वसहायता समूह कुनकुरी द्वारा बैंक लिंकेज के संबंध में समस्या बतायी गई। अंत में धर्मेन्द्र कुमार साहू उपसंचालक समाज कल्याण जशपुर द्वारा दिव्यांगजनों के स्वरोजगार उद्यमी कौशल को उन्नत करने के लिए ऋ्ण देने के लिए छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित एवं विकास निगम की योजनाएं, पात्रता, ब्याज की दर व छूटों के संबंध में एवं अन्य गतिविधि क्षेत्र की विस्तार से जानकारी दी गई। इस संबंध में लोदाम के श्री संदीप गुप्ता द्वारा टेंट हाउस खोले जाने हेतु लोन की मांग एवं महेन्द्र यादव द्वारा चॉइस सेन्टर खोले जाने के लिए ऋ्ण सहायता की मांग की गई।

नमाज पढ़कर देश में अमन और खुशहाली की मांगी दुआ, गले मिलकर दी ईद की बधाई

अंबिकापुर। ईद-उल-फितर के मौके पर शनिवार को मुस्लिम समुदाय के लोगों ने जिले के विभिन्न ईदगाहों और मस्जिदों में अकीदत के साथ नमाज अदा की। नमाजियों ने मुल्क में अमन और खुशहाली की दुआ मांगी। इसके बाद घर-परिवार के बीच ईद की खुशियां मनाई।

मीठी सेवई खाकर और गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। मुस्लिम समाज के पवित्र माह रमजान में इस बार एक माह से अधिक समाज के लोग रोजा रखने के साथ ही इबादत में मशगूल रहे। शनिवार को सदर रोड स्थित जामा मस्जिद में सुबह 9.30 बजे, तकिया मजार स्थित मस्जिद में सुबह 8.30 बजे नमाज अता की गई। ईदगाह में नमाज पढ़ने के लिए अंजुमन कमेटी के द्वारा भव्य तैयारियां की गई थी। केंद्रीय जेल में 130 बंदियों ने पूरे रमजान माह में रोजा रखा। शनिवार को सुबह 9.30 बजे से 10.30 बजे सभी ने ईद की दो रकत नमाज पेश इमाम के मौजूदगी में अता करके किए गए गुनाहों के लिए माफी मांगी और भाईचारा, खुशहाली का पैगाम दिया। इस दौरान बंदियों के लिए जेल प्रबंधन की ओर से स्पेशल डाइट की व्यवस्था की गई थी। रमजान में तरावीह की नमाज के साथ ही दावते इफ्तार का आयोजन किया गया। समाज के लोगों द्वारा ईद को लेकर जोर-शोर से तैयारियां की गई थी। घरों की साफ-सफाई के साथ ही जमकर खरीददारी की गई। ईद की नमाज को लेकर सुबह से ही समाज के लोग ईदगाह व मस्जिदों की तरफ रवाना होने लगे थे। ईदगाह में सुबह 9 बजे ईद की नमाज अता की गई। इस दौरान हाफिज व कारी असीमुद्दीन रिजवी ने नमाज पढ़ाकर समाज के लोगों को ईद के मौके पर गिले-शिकवे मिटाकर एक-दूसरे को गले लगाने की सीख दी, और मुल्क में अमन-चैन और खुशहाली की दुआ की। ईद के मौके पर मुस्लिम समाज के लोगों में खास उत्साह देखने को मिला।

भाजपा के पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के सुनील सिंह बने जिला संयोजक

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव की सहमति से भारतीय जनता पार्टी पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़ के जिला संयोजक सह संयोजक की घोषणा की गई है। जिसमें कोरिया जिले से सुबेदार मेजर सुनिल सिंह

को जिला संयोजक, नायब सुबेदार अशोक राजवाड़े जिला सह संयोजक, उमाशंकर साहू जिला सह संयोजक एवं कमाण्डर नेवी रंजीत सिंह विष्ट को प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बनाया गया है। इस नियुक्ति पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में हर्ष व्याप्त है। जिले के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किया है। इस नियुक्ति से पूर्व सैनिकों की भागीदारी बढ़ेगी और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलेगी। नवनियुक्त पदाधिकारियों को संगठन की विचारधारा को आम जनता तक पहुंचाने तथा पार्टी के कार्यक्रमों को सफल बनाने में अहम योगदान होगा।

भीतघरा के किसान मुकेश ने नई सोच और आधुनिक तकनीक से खेती को बनाया नया मॉडल

अपने 25 एकड़ खेती भूमी में बहुफसली लेकर बने उन्नत किसान

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। ग्राम पंचायत भीतघरा, बगीचा विकास खंड के मुकेश कुजूर ने दिखा दिया कि नई सोच और आधुनिक तकनीक से खेती को ज्यादा लाभकारी बनाया जा सकता है। 25 एकड़ में टमाटर, पत्ता गोभी, मक्का, खीरा और गेंदा की बहु-फसली खेती कर ये बना रहे हैं सफलता का नया मॉडल अगर आप भी सीखना चाहते हैं ऐसी ही नई तकनीकें, तो 23-25 मार्च को कृषि क्रांति एक्सपो, कुनकुरी (जशपुर) में जरूर आएँ। भीतघरा के किसान मुकेश कुजुर ने अपने 25 एकड़ खेत को नवाचार का मॉडल बना दिया है। किसान अपने खेतों में बहुफसली खेती से जिले के दूसरे किसानों को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि वे अपने खेत में टमाटर,पत्ता गोभी, मक्का,खीरा और गेंदा फूल की भी खेती कर

रहे हैं। किसान मुकेश ने नई सोच और प्रयोगों से साबित किया है कि समझदारी से खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि वे सिंचाई के लिए ड्रिप और मल्चिंग से टमाटर की खेती करते हैं। खेतों के बीच बीच में मक्का और गेंदा का फूल भी लगाए हैं जिससे उनको अतिरिक्त आमदनी हो जाती है। उन्होंने बताया कि कृषि वैज्ञानिक की सलाह और मार्गदर्शन में कौन सी कीटनाशक दवाइयों का उपयोग करना है कितनी मात्रा में करना इसकी भी जानकारी उन्हें है। किसान ने बताया कि ड्रिप लगाने का फायदा यह होता है कि सिंचाई के लिए कम पानी की आवश्यकता होती है। इसी से खाद भी सीधे पौधों तक पहुंचाया जाता है। कम पानी से अच्छी फसल ली जा सकती है। किसान मुकेश ने बताया की बरसात में खीरा की फसल लेते हैं और गर्मी में मक्का की फसल ले रहे हैं खीरा और मक्का के उत्पादन से उन्हें अच्छी आमदनी हो जाती है।

खनिज माफियाओं पर बड़ी चोट, डुभापानी में 5 वाहन एक साथ जब्त

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर (कोरिया)। जिले में अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ खनिज विभाग द्वारा सख्त कार्रवाई करते हुए ग्राम डुभापानी, तहसील बैकुण्ठपुर में पांच वाहनों को जप्त किया गया है। गश्त के दौरान इन वाहनों को अवैध रूप से खनिज बोल्डर एवं हैंडब्रोकन (गिट्टी) का परिवहन करते पाया गया। कार्रवाई करते हुए सभी वाहनों को मौके पर ही जप्त कर थाना बैकुण्ठपुर में

अभिरक्षा में रखा गया है। जप्त किए गए वाहनों में सीजी 16 सीई 7100 मालिक अशोक चौधरी, सीजी16 सीजी 8109 मालिक सुशील यादव सीजी सीएम 4965 मालिक अशोक चौधरी सीजी 16 सीटी 8629 मालिक सुरेश कुमार और सीजी 16 सीपी 6892 मालिक विनोद खलखो वाहन मालिकों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 की धारा 71 तथा खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 से 23 (ख) के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। जिला खनिज अधिकारी ने बताया कि जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

पत्थर लोड ट्रेक्टर जब्त करके लाते वक्त वन अमला से गालीगलौज

कुसमी। बलरामपुर जिला के कुसमी थाना अंतर्गत अवैध पत्थर लोड ट्रेक्टर को वन अधिकारी के द्वारा जब्त करके लाते समय वाहन मालिक के द्वारा रोककर चालक को भगा देने और वन विभाग के चालक के साथ गालीगलौज, मारपीट करके सड़क पर पत्थर गिरवा देने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस मामले में केस दर्ज कर कार्रवाई कर रही है। वन विभाग में वाहन चालक के पद पर पदस्थ सुमन तिर्की पिता स्व. गोपाल राम 45 वर्ष ने कुसमी थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 19 मार्व को अवैध पत्थर तस्करी की सूचना पर ग्राम गजाधरपुर की ओर एसडीओ मणिकांत वर्मा के साथ वह गया था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा